दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 275 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

बुधवार 07 जनवरी 2026 डाक- गुरूवार 08 जनवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या, अब किराना व्यापारी को बनाया निशाना; 18 दिन में 6 मौतें

ढाका ,07 जनवरी । बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला नरसिंदी जिले से जुड़ा है, जहां किराना व्यापारी मणि चक्रवर्ती की बदमाशों ने हत्या कर दी। यह घटना सोमवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, मणि चक्रवर्ती चारसिंदुर बाजार में किराने की दुकान चलाते थे। यह बाजार नरसिंदी जिले के पलाश उपजिला क्षेत्र में स्थित है। मणि चक्रवर्ती साधरचर यूनियन, शिबपुर उपजिला के निवासी थे और मदन ठाकुर के पुत्र थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मणि चक्रवर्ती रोज की तरह अपनी दुकान पर मौजूद थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि मणि चक्रवर्ती शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और उनका किसी से कोई विवाद होने की जानकारी नहीं थी। खुले बाजार में इस तरह की नृशंस हत्या से व्यापारियों और आम लोगों में असुरक्षा की भावना और गहरी हो गई है। स्थानीय समुदाय के जागरूक लोगों ने घटना पर गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक व्यापारी की सार्वजनिक रूप से हत्या बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गुजरात और कर्नाटक में सात अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी से हडकंप

नई दिल्ली ,07 जनवरी (एजेंसी)। कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और गुजरात में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलने से हडक़ंप मच गया। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। गुजरात में हाई कोर्ट और पांच लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। सूरत की कोर्ट के ऑफिशियल ईमेल पर सोमवार देर रात धमकी भरा ईमेल

आया था। सुबह जब कर्मचारियों ने ईमेल चेक किया तो पुलिस को सूचना दी। आणंद, राजकोट, अहमदाबाद और भरूच के सेशन कोर्ट को इसी तरह का ईमेल मिला। हालांकि, बम स्क्वॉड की जांच में कोर्ट से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह धमकी एलटीटीई (लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम) के नाम से दी गई है।

कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को भी मंगलवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस ने बताया कि सावधानी के तौर पर कोर्ट परिसर को तुरंत खाली कराया गया। पूरे कोर्ट परिसर की गहन तलाशी ली गई। फिलहाल किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे जंक्शन पर मंगलवार सुबह काशी एक्सप्रेस (15018 डाउन) में बम होने की धमकी मिली। इसके बाद ट्रेन को स्टेशन पर रोका गया और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर उतारा गया। वहीं यहां भी जांच में कुछ नहीं मिला। करीब तीन घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला। इस दौरान स्टेशन में मौजूद हर शख्स की सांसें थमी रहीं। वहीं, केरल के कन्नूर जिला में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देशी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है।

गजवा-ए-हिंद के लिए पाक फौज तैयार, लश्कर ने भारत के खिलाफ फिर उगला जहर, पीएम को भी धमकी

इस्लामाबाद,07 जनवरी (एजेंसी)। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तोएबा ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। लश्कर के बहावलपुर चीफ सैफुल्ला सैफ ने एक खुले मंच से भारत को धमकी देते हुए गजवा-ए-हिंद का आह्वान किया है। इस आतंकी ने न केवल भारतीय नेताओं के खिलाफ हिंसा भडक़ाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, बल्कि सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेने की बात भी कही। सैकड़ों आतंकियों की मौजूदगी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सैफुल्ला सैफ ने अपनी सारी हदें पार कर दीं।

उसने आतंकियों को उकसाते हुए कहा कि अब भारत

के खिलाफ जेहाद का समय आ गया है। उसने बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए भारतीय नेताओं को काफिर बताया और उनकी हत्या की खुली धमकी दी। अपने जहरीले भाषण में सैफ ने दावा किया कि अब क्षेत्रीय समीकरण बदल रहे हैं और बांग्लादेश भी पाक के साथ खड़ा है। उसने भारत के खिलाफ गजवा-ए-हिंद का नारा बुलंद करते हुए दावा किया कि इस मकसद के लिए पाक फौज भी तैयार है। लश्कर कमांडर ने आतंकियों से आगे आने और भारत के खिलाफ बड़े हमले करने के लिए उकसाया।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर– लश्कर आतंकी का यह वीडियो सामने आने के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। जानकारों का मानना है कि इस तरह के खुले मंच से दी गई धमकियां पाकिस्तान की उस हताशा को दर्शाती हैं, जो वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पडऩे के बाद महसूस कर रहा है। पाकिस्तान की जमीन से इस तरह खुलेआम आतंकवाद को बढ़ावा देना एक बार फिर इस्लामाबाद के उन दावों की पोल खोलता है, जिनमें वह आतंकी संगठनों पर लगाम लगाने की बात करता है।

ड्रग्स के खिलाफ असम में 'सर्जिकल स्ट्राइक': 3 करोड़ की नशीली गोलियों के साथ महिला पुलिस के हत्थे चढ़ी

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कछार जिले में तीन करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित याबा टैबलेट बरामद होने के बाद एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। इन गोलियों को 'क्रेजी ड्रग' भी कहा जाता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कछार जिले में तीन करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित याबा टैबलेट बरामद होने के बाद एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। इन गोलियों को 'क्रेजी ड्रग' भी कहा जाता है। इनमें 'मेथामफेटामिन' और 'कैफीन' का मिश्रण होता है। भारत में इन पर प्रतिबंध है।

शर्मा ने मंगलवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'गुप्त सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने एक महिला को पकड़ा और उसके पास से 20,000 याबा टैबलेट बरामद कीं, जिनकी कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है।' उन्होंने कहा, 'हम असम में मादक पदार्थों के नेटवर्क को जड़ से खत्म कर रहे हैं ताकि हमारे युवाओं को बर्बादी के रास्ते पर जाने से बचाया जा सके...। इसके अलावा एक दूसरी घटना के बारे में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि असम के कछार जिले में मादक पदार्थ के पांच संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और दो करोड़ रुपये की नशीली दवाएं बरामद की गई हैं। शर्मा ने बताया कि उन्होंने कहा कि जब्त की गई नशीली दवाएं जिले में दो अलग-अलग वाहनों से बरामद की गई हैं। मुख्यमंत्री ने सोमवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कछार पुलिस ने सुनाबारीघाट बाईपास पर दो वाहनों को रोककर तलाशी ली और दो करोड़ रुपये मूल्य की 406 ग्राम हेरोइन जब्त की। इस कार्रवाई में पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

सेंट्रल दिल्ली में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हिंसा, पांच पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान के पास बुधवार तड़के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान स्थानीय लोगों के पथराव करने से पांच पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राष्ट्रीय राजधानी में रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट पर फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास अवैध ढांचों के खिलाफ हटाने का अभियान शुरू किया था, तभी यह घटना हुई।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निधिन वालसन ने मीडिया कर्मियों से कहा कि लगभग 25-30 लोगों ने पुलिस टीमों पर पत्थर फेंके, जिसमें पांच पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गये। उन्होंने कहा, 'हमें स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। वहां एक बैंक्वेट हॉल और एक दवाखाना था, जिन्हें गिरा दिया गया है। यह अभियान रात में चलाया गया, ताकि लोगों को कोई दिक्कत न हो।' उन्होंने कहा कि पथराव में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले एक बयान में, दिल्ली के सेंट्रल रेंज के संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि पूरे इलाके को सावधानीपूर्वक नौ जोन में बांटा गया था, जिनमें से प्रत्येक को अतिरिक्त उप आयुक्त रैंक के एक अधिकारी की देखरेख में रखा गया था। सभी संवेदनशील जगहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। विध्वंस अभियान से पहले, शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से अमन समिति के सदस्यों और अन्य स्थानीय हितधारकों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित की गयीं।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है, 'सभी संभावित निवारक और विश्वास- बनाये रखने के उपाय किये गये। विध्वंस के दौरान, कुछ शरारती तत्वों ने पथराव करके अशांति फैलाने की कोशिश की। स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया और बल का न्यूनतम उपयोग किया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि बिना किसी किसी परेशानी के सामान्य स्थिति बहाल हो जाए। ' अधिकारी ने कहा, 'दिल्ली पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि सभी न्यायिक निर्देशों को कानूनी, पेशेवर और संवेदनशील तरीके से लागू किया जाए। '

उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ में ठंड का प्रकोप, शीतलहर का यलो अलर्ट, 18 जिलों में बढ़ेगी कंपकंपी

रायपुर,07 जनवरी (एजेंसी)। प्रदेश में ठंड का असर तेज होता जा रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के 18 जिलों में शीतलहर को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। 6 से 7 जनवरी तथा 7 से 8 जनवरी के बीच उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो पॉकेट में शीतलहर चलने की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही कई जिलों में मध्यम से घने कोहरे की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, रायपुर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, कबीरधाम, मोहल्ला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और बेमेतरा जिलों में एक-दो स्थानों पर शीतलहर चल सकती है। 7 से 8 जनवरी के दौरान भी रायपुर सहित मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में ठंड का असर बना रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, रायगढ़, सक्ती, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, सारंगढ़-बिलाईगढ़

और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों में मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी है। सुबह के समय दृश्यता कम रहने से सड़क और रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

बीते 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.0 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। रायपुर में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से नीचे रहा।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो इलाकों में शीतलहर चलने की संभावना बनी हुई है। बुधवार को भी उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी गई है। रायपुर शहर में भी सुबह धुंध छाने और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जताई गई है।

मौत बनकर आया जंगली हाथी: 6 ग्रामीणों की दर्दनाक मौत, गजराज ने सात दिनों में 14 को कुचला

चाईबासा,07 जनवरी (एजेंसी)। झारखंड में पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंड क्षेत्र के जेटेया थाना अंतर्गत मंगलवार की रात जंगली हाथी के उपद्रव ने पूरे इलाके को दहला दिया। हाथी ने बवाडिया गांव के पांच ग्रामीणों और बडापासेया गांव के एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। मृतकों में बवाडिया गांव के चार लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं, जिससे गांव में मातम पसरा हुआ है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में चार अन्य ग्रामीण भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक की हालत अत्यंत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की पुष्टि वनरक्षी अमित महतो, जेटेया ग्राम पंचायत के मुखिया संजीत तिरिया तथा पंचायत समिति सदस्य दीपा गोप ने की है। बताया गया कि देर रात जंगली हाथी अचानक रिहायशी इलाके में घुस आया और सो रहे ग्रामीणों पर हमला कर दिया।

घटना की विस्तृत जानकारी जुटाने के लिए बडापासेया और बवाडिया गांव के लिए पुलिस प्रस्थान कर चुके है। वहीं, हाथी के आतंक से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी को पकड़ने या सुरक्षित जंगल क्षेत्र में खदेड़ने की मांग की है।

बताया गया है कि बवाडिया गांव में परिवार के सभी 6 सदस्य पुआल से बने घर में खलियान में सो रहे थे। इनमें चार को कुचल कर मार डाला, जबकि एक सदस्य भाग कर जान बचायी। वहीं, एक सदस्य के पैर कुचल डाला। वनरक्षी अमित महतो ने बताया, वन विभाग की टीम पूरी रात जेटेया क्षेत्र में थे। मंगलवार को पूरे क्षेत्र में माइक सेट लगाकर प्रचार प्रसार भी किया गया, लेकिन ग्रामीणों ने इसे हल्के में लिया और खलिहान में ही पुआल से बने झोपडी में सो रहे थे। अमित महतो ने बताया कि सभी पांचों घायलों को टीएमएच नोवामुंडी में भर्ती किया गया है, इनमें से एक ने भी दम तोड दी। मृतकों की संख्या छह हो गयी है। झुंड से बिछड़े हाथी सुबह चार बजे तक गितिकेंदू गांव में था और अभी जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के काटेपाडा गांव पहुंचा है।

वाह वाह

०० सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था

अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो...आंखें बंद करो,

गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है

इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे

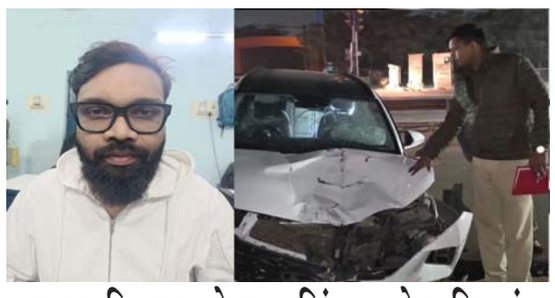

भाजपा विधायक रेणुका सिंह का बेटा हिट एंड रन में गिरफ्तार, घायल युवक की हालत नाजुक

रायपुर। राजधानी रायपुर में हिट एंड रन के मामले में पुलिस ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं वर्तमान भाजपा विधायक रेणुका सिंह के बेटे लक्की सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अग्रसेन धाम चौक के पास हुए सड़क हादसे से जुड़ा है, जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। युवक की हालत अब भी नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे नगर निगम कर्मचारी राजनारायण ठाकुर का छोटा भाई त्रिभुवन सिंह ठाकुर, जो पेशे से डीजे ऑपरेटर है, कार्यक्रम से लौट रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि त्रिभुवन बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरा। उसके सिर में गंभीर चोट आई और सिर फट गया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 64 लाख रुपये के इनामी 26 हार्डकोर माओवादियों ने किया सरेंडर

सुकमा,07 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सल उन्मूलन की दिशा में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। जिले में सक्रिय 26 हार्डकोर नक्सलियों ने एक साथ आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें 7 महिलाएं भी शामिल हैं। इन सभी नक्सलियों पर कुल 64 लाख रुपये की इनाम राशि घोषित थी, जो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर थे।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली माड़ डिविजन, पीएलजीए और जिले के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थे। इनका नेटवर्क सुकमा के साथ-साथ उड़ीसा और माड़ क्षेत्र तक फैला हुआ था और ये कई गंभीर नक्सली घटनाओं में

शामिल रहे हैं। सुरक्षा बलों के लगातार दबाव, अभियान और शासन की पुनर्वास नीति के प्रभाव से नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत सभी निर्धारित लाभ दिए जाएंगे, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने शेष बचे नक्सलियों से भी हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की अपील की है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

यातायात व्यवस्था सुधारने, ब्लैक स्पॉट दुरुस्त करने कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने और यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित व सुगम बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुगमता तथा सड़क मरम्मत व सुधार संबंधी विषयों पर गहन समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटनाजन्य स्थानों पर प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए ।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, वनमण्डलाधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत, एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, डीएफओ कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव, सीईओ जिला पंचायत दिनेश नाग, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा सभी एसडीएम सहित

यातायात, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल्को, एसईसीएल एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री दुदावत ने बैठक में जिले में चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट व दुर्घटना जन्य क्षेत्रो की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन पर आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर अविलंब सुधार कार्य किया जाए। साथ ही सड़कों में आवश्यक स्थानों में मरम्मत कार्य और संकेतकों की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन क्षेत्रों पर ब्रेकर्स, स्पष्ट साइनेज, रेडियम पट्टियाँ, तथा पेड़ों और झाड़ियों की छटाई कर दृष्टि बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करने निर्देश दिए। राजकीय राजमार्ग से राष्ट्रीय राजमार्ग में जुड़ने वाली सड़कों पर ब्रेकर लगाने के लिए कहा।

कलेक्टर श्री दुदावत ने राष्ट्रीय राजमार्ग, पीडब्ल्यूडी व पीएमजीएसवाई विभाग अंतर्गत सड़क निर्माण व मरम्मत कार्यो के प्रक्रियाधीन टेंडर को जल्द पूरा कराने एवं काम शुरू कराने के निर्देश दिए साथ ही प्रगतिरत निर्माण कार्यो को समय सीमा पर पूर्ण कराने निर्देशित किया। उन्होंने राजमार्गो के तकनीकी खामियों वाले स्थलों पर सुधारात्मक उपाय लागू करने हेतु अधिकारियों को प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगरीय क्षेत्र में आवागमन की सुगम व्यवस्था हेतु सड़क पर हाई मास्ट व स्ट्रीट लाइट स्थापित करने के निर्देश भी दिए। खाद्य अधिकारी को सभी पेट्रोल पम्पों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरों की स्थापना करने का भी निर्देश प्रदान किया गया, जिससे यातायात निगरानी और सुरक्षा दोनों और सुदृढ़ हो सकें। उन्होंने जिला स्तरीय समिति का गठन कर ब्लैक स्पॉट व अन्य दुर्घटना-जन्य क्षेत्रों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देशित किया। साथ ही सड़क सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने की बात कही।

उन्होंने सार्वजनिक उपक्रमों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्राधिकार में आने वाली सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए साथ ही यथा स्थानों में सीसीटीवी कैमरा स्थापित करने, सड़को की मरम्मत व रख रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने नो पार्किंग क्षेत्रो में भारी वाहनों के खड़े होने पर गम्भीरता से प्रतिबंध लगाने की बात कही।

बैठक में कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को लेकर आमजनों एवं विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने हेतु स्कूल एवं कॉलेजों में प्रति सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। शैक्षिक संस्थानों में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड के सदस्यों को शामिल कर सड़क सुरक्षा पर आधारित रंगोली, नुक्कड़ नाटक, क्विज, निबंध आदि गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही। उन्होंने जिले में शिविर का आयोजन कर वाहन चालकों के नेत्र जांच कराने के निर्देश दिए। पूरे साल नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित कर ट्रक, बस जैसे भारी वाहन चालकों सहित हल्की वाहन चालकों, ऑटो संघ व ड्राइवर संघ के सदस्यों एवं आमजनों का दृष्टि परीक्षण कराना सुनिश्चित करने के लिए कहा। जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। कलेक्टर ने सभी अधिकारियो को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा उपायों तथा ट्रैफिक नियमों के अनुपालन को लेकर अधिकारियों को और अधिक सतर्क रहना है ताकि जिले की सड़कें और अधिक सुरक्षित व दुर्घटना-रहित बन सकें।

जनपद सदस्य, पंच व किसान मित्र शासकीय कार्य में डाल रहे बाधा

सरपंच, उप सरपंच व पंचों ने की शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के जनपद पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत मादन में शासकीय निर्माण कार्य के दौरान जनपद सदस्य,पंच, किसान मित्र व ग्रामीण के द्वारा बार-बार अवरोध उत्पन्न कर मानसिक-आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। इसकी शिकायत कलेक्टर जनदर्शन से लेकर एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ,पाली थाना प्रभारी से की गई है।

सरपंच सविता पैकरा सहित उप सरपंच व पंचों ने की गई शिकायत में कहा है कि ग्राम पंचायत मादन में हो रहे शासन से स्वीकृत शासकीय कार्य में बार-बार अंशुल सिंह कंवर (जनपद सदस्य), ईतवार यादव (पंच), छत्रपाल सिंह पैकरा (किसान मित्र) व गणेश टांडिया ग्रामीण के द्वारा शासकीय कार्य में अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है। दबाव बनाकर डराया-धमकाया जाता है जिससे मानसिक, आर्थिक रूप से क्षति हुई है। शासन से स्वीकृत मद की राशि में कमीशन की मांग किया जाता है, विगत वर्ष पूर्व ईतवार यादव (पंच) जेल जा चुके हैं। यदि इस संबंध में महिला जनप्रतिनिधियों सविता पैकरा (सरपंच) व कावेरी पटेल (उपसरपंच) को किसी प्रकार की क्षति होती है तो उक्त व्यक्ति ही जिम्मेदार होंगे। इस तारतम्य में सविता पैकरा को हॉस्पिटल में उपचार के लिए जाना पड़ा था। संबंधित सक्षम अधिकारियों से निवेदन किया गया है कि उक्त संबंध में अंशुल सिंह कंवर, ईतवार यादव, छत्रपाल सिंह पैकरा व गणेश टांडिया ग्रामीण के विरूध्द उचित कार्यवाही की जाए।

खेलो इण्डिया ट्राईबल गेम्स का चयन ट्रायल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन,खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलो इण्डिया ट्राइबल गेम्स का प्रथम संस्करण छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक-14 फरवरी 2026 से होना निर्धारित किया गया है। उपरोक्त आयोजन में राज्य दल की भागीदारी सुनिश्चित करने खिलाड़ियों का चयन ट्रायल दिनांक-6 से 8 जनवरी 2026 को बिलासपुर एवं रायपुर में आयोजित किया जायेगा। उक्त महत्वाकांक्षी प्रतियोगिता अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। खेलो इण्डिया ट्राइबल गेम्स में छत्तीसगढ़ राज्य टीम(महिला एवं पुरुष) के लिये निम्न खेलों में चयन किया जाना है-एथलेटिक्स,तीरंदाजी एवं तैराकी का चयन ट्रायल स्व.बी.आर.यादव स्टेडियम, बिलासपुर में दिनांक-7 जनवरी 2026 को प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होगा। वैटलिफ्टिंग 6 जनवरी को प्रात: 9 बजे से, कुश्ती 7 जनवरी का प्रात: 9 बजे से, एवं फुटबॉल का चयन ट्रायल 7 व 8 जनवरी को प्रात: 9 बजे से स्वामी विवेकानंद स्टेडियम रायुपर में तथा हॉकी का सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायुपर में दिनांक-7 एवं 8 जनवरी 2026 को प्रात: 9 बजे से प्रारंभ किया जायेगा।

धान खरीदी की पारदर्शी प्रक्रिया ने किसान रामचन्द्र का उत्साह बढ़ाया

कोरबा (छ.ग.गौरव)। इस साल प्रदेश में धान खरीदी शुरू होते ही किसानों में नई ऊर्जा और उमंग देखने को मिली। किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर फसल बेचने का अवसर, उनकी मेहनत को सही मूल्य मिलने का भरोसा लेकर आया है। सुचारू व्यवस्था और ऑनलाइन टोकन सुविधा ने किसानों का आत्मविश्वास और बढ़ा दिया, जिससे वे बिना किसी झंझट के अपनी फसल उपार्जन केंद्रों में बेचने पहुँच रहे हैं। पाली विकासखंड की सहकारी समिति चैतमा में रजकम्मा गाँव के किसान रामचन्द्र अहीर ने 0.3290 हेक्टेयर जमीन पर उगाई गई धान की 16 क्विंटल उपज बेची। रामचन्द्र ने बताया कि खरीदी प्रक्रिया बेहद सहज और त्वरित थी, जिससे उन्हें अपने प्रयास का उचित मूल्य मिला और वे पूरी तरह संतुष्ट हुए। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि समर्थन मूल्य ने उनकी मेहनत का सही सम्मान किया। रामचन्द्र ने ऑनलाइन टोकन के जरिए पहले ही अपना पंजीकरण कर लिया था। घर बैठे ही टोकन मिलने के बाद समिति पहुंचते ही उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपनी धान बिक्री पूरी की।

राशिफल

मेष -आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल काम के प्रति रहेगा और इसके लिए आप कठोर परिश्रम करने को तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे और लोग भी आपकी सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे।

वृष-आज दिन शानदार रहेगा। आपकी कम्युनिकेशन स्किल दूसरों को प्रभावित करेगी और इसका लाभ मिलेगा। बिना नतीजों की चिंता किए मेहनत करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। बिजनेस में अचानक फायदा मिलेगा।

मिथुन -आज का दिन बेहतरीन है। सोचे हुए काम और योजनाएं पूरी होंगी। रुके हुए काम पूरे करने में किस्मत का साथ मिलेगा। अपने गुणों और काम की वजह से सम्मान मिलेगा और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क -आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। कठिन मामलों पर बातचीत से समाधान मिलेगा। जितनी मेहनत करेंगे उतना ही फायदा मिलेगा। महत्वपूर्ण कामों पर फोकस रहेगा। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। स्टूडेंट्स मैथ्स में भाई की मदद ले सकते हैं।

सिंह -आज का दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से संतोष मिलेगा। नया बिजनेस या नौकरी के अवसर तलाशने वालों के लिए समय अनुकूल है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और ऑफिस में आपकी पर्सनालिटी की तारीफ होगी।

कन्या-कन्या राशि वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। खानपान पर ध्यान दें। मेहनत के अनुसार लाभ मिलेगा।

तुला-आज का दिन मिला जुला रहेगा। सकारात्मक सोच से असंभव काम भी संभव होंगे। विद्यार्थियों को सफलता के लिए थोड़ी और मेहनत करनी होगी। कारोबार और करियर की समस्याएं दूर होंगी। नई कोशिशों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि वालों आज मन में थोड़ी उलझन रहेगी, लेकिन जीवनसाथी से बात करने पर समाधान मिलेगा। जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें। आत्मविश्वास बढ़ने से रुके काम पूरे होंगे। अचानक धन लाभ होगा।

धनु -आज का दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक और प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूलता रहेगी। परिवार के साथ विचार विमर्श से समस्याओं का समाधान होगा। मल्टीनेशनल कंपनी से जुड़े लोगों के लिए दिन प्रगति वाला है।

मकर -आज दिन नई उमंग लेकर आएगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। छात्रों को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। घर में सुख शांति रहेगी। मित्र की मदद से बिगड़े काम बनेंगे। जमीन से जुड़े निवेश में लाभ मिल सकता है।

कुम्भ -आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई या नवीनीकरण में व्यस्त रहेंगे। व्यापार में नए प्रोजेक्ट मिलेंगे। विदेश जाने का निमंत्रण मिल सकता है। लवमेट से उपहार मिलेगा।

मीन -आज का दिन खास रहेगा। भाई और माता का सहयोग मिलेगा। सहकर्मियों की मदद से काम समय पर पूरा होगा। खानपान का ध्यान रखें। महिलाओं को शॉपिंग में डिस्काउंट मिल सकता है। घर की साफ सफाई में व्यस्त रहेंगे।

दस बजे तक कार्यालय में उपस्थिति के साथ बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में ऑनलाइन एंट्री अवश्य करें अधिकारी-कर्मचारी: कलेक्टर

सियान जतन शिविर के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों का उपचार करने स्वास्थ्य विभाग को दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज समय-सीमा की बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन जनशिकायत, मानव अधिकार आयोग, कलेक्टर जनदर्शन से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को शीघ्रता से कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि लंबित पत्रों का परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित कर संबंधित को सूचित किया जाना चाहिए। उन्होंने शासन के निर्देशानुसार सभी विभागों में आधार-फेस आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय में कार्यालय पहुँचे और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की भी समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए ऑनलाइन एंट्री दर्ज कराएँ। कलेक्टर ने किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर एनआईसी से समन्वय कर इसका निराकरण करने के निर्देश देते हुए विलंब से आने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करते हुए कार्यवाही की बात कही है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सियान जतन दिवस के माध्यम से नियमित शिविर लगाते हुए वरिष्ठ नागरिकों की नियमित स्वास्थ्य जाँच करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में पर्याप्त चिकित्सकीय अमला की ड्यूटी लगाते हुए शुगर, बीपी, हाइपरटेंशन की जाँच के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे तहसीलदार, पटवारी, समिति के माध्यम से किसानों से जुड़ी समस्याओंकृरकबा संशोधन, अन्य त्रुटियों को दूर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मूल किसानों को धान बेचने में किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े और शासन द्वारा दी जा रही सुविधा का लाभ मिल सके।

बैठक में कलेक्टर ने पसान में पीएचसी के पास स्वीकृत भवन के कार्य में प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी को निर्देशित किया कि दो दिवस के भीतर कार्य प्रारंभ कराएँ, अन्यथा संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड करते हुए टर्मिनेट करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री दुदावत ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पीएम सूर्यघर योजना में प्रगति लाने और जनपद स्तर पर बैठक आयोजित कर सरपंच और सचिवों के माध्यम से इच्छुक हितग्राही को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस माह के भीतर लक्ष्य अनुसार प्रगति लाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने सभी विभागों में बंद हो चुकी योजनाओं के अंतर्गत बैंक खातों को बंद करते हुए इस माह तक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश कोषालय अधिकारी को दिए।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशानुसार आवारा पशुओं, आवारा कुत्तों के रहवास, भोजन तथा सुरक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर बाउंड्रीवाल/फेंसिंग लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा अधिकारी को अहाताविहीन विद्यालयों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने आवारा कुत्तों के टीकाकरण, नसबंदी करने, अस्पतालों में एंटी रेबीज टीका एवं अन्य दवाइयाँ उपलब्ध रखने, महत्वपूर्ण मार्गों पर आवारा मवेशियों के जमावड़े वाले स्थान का चिन्हांकन कर दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूली विद्यार्थियों का आधार आईडी पूर्ण करने और संख्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराने, मिड-डे मील का ऑनलाइन प्रविष्टि दर्ज करने, स्कूली विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक अपडेट करने हेतु शिविर आयोजित करने का शेड्यूल बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने विभागों को डीएमएफ अंतर्गत कार्यों की मासिक अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने, डीएमएफ अंतर्गत नियुक्त कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान करने, युक्तियुक्तकरण अंतर्गत जॉइन नहीं करने वाले शिक्षकों पर कार्यवाही करने, गणतंत्र दिवस के गरिमामय आयोजन हेतु संबंधित विभागों को आवश्यकतानुसार तैयारी करने सहित अन्य विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान डीएफओ निशांत कुमार, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, प्रेमलता यादव, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना सहित सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

पाईप लाईन लिकेज की मरम्मत के कारण पानी हुआ था मटमैला

पाईप लाईन मरम्मत का कार्य पूर्ण होने के बाद अब हो रही शुद्ध पानी की आपूर्ति

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर निगम कोरबा के वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द के अंतर्गत आने वाली हाउसिंग बोर्ड कालोनी में आपूर्ति किए गए पानी के मटमैला होने के कारण क्षतिग्रस्त हुई उक्त पाईप लाईन की मरम्मत का कार्य करना था, पाईप लाईन की मरम्मत के पश्चात अब हाउसिंग बोर्ड कालोनी में शुद्ध व साफ जल की आपूर्ति की जा रही है।

निगम के कार्यपालन अभियंता जलप्रदाय श्री राकेश मसीह ने बताया कि वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द अंतर्गत बरबसपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी में जलापूर्ति की जाने वाली पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो

गई थी, जिसके कारण एक दिन के लिए आकस्मिक रूप से जलापूर्ति बाधित भी हुई। निगम द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मत करा दी गई है तथा पाईप लाईन के मरम्मत के कारण स्वभाविक रूप से पानी में मिट्टी धुली, जिसके परिणाम स्वरूप उस दिन नलों से मटमैला पानी निकला। उन्होने बताया कि उक्त क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मत होने के पश्चात अब नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति जा रही है।

अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी की 24वीं साधारण सभा में लिए गए महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कोरबा जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी की 24वीं साधारण सभा की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा कई प्रशासनिक एवं नीतिगत निर्णय लिए गए।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि स्वामी विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन परिसर को सीबीएसई मान्यता संबंधी आवश्यकताओं एवं शासन की गाइडलाइन के अनुसार किराए पर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही रजगामार रोड, जिला जेल के सामने स्थित कन्वेंशनल सेंटर को किराए पर न देकर उसे साइंस सेंटर के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया।

सोसायटी के वित्तीय वर्ष 2024-25 के ऑडिट रिपोर्ट का अनुमोदन भी बैठक में किया गया। राज्य शहरी विकास अभिकरण, रायपुर के निर्देशानुसार जिले की सभी 48 सिटी बसों का मेकैनिकल परीक्षण एवं वैल्युएशन करने हेतु जिला परिवहन अधिकारी, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (ईएंडएम) तथा कार्यपालन अभियंता नपा-नि कोरबा की संयुक्त समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर बसों के परिचालन अथवा राइट ऑफ संबंधी आगामी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

// शपथपत्र //

मैं आनंद थवाईत, (ANAND THAWAIT), उम्र- 46 वर्ष, पिता स्व. प्रमोद थवाखेंत निवासी मकान नं. 94. शारदा संगीत विद्यालय, सर्वमंगला रोड, कोरबा तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) का हूं। यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवासरत् हूं तथा मेरा आधार कार्ड नंबर -5646 2590 8455 है। यह कि, मेरी पुत्री अद्रिजा थवाईत का जन्म प्रमाण पत्र नगर पालिक निगम कोरबा से जारी हुआ है जिसका पंजीकरण संख्या B-2022:22-90172-004848 पंजीकरण दिनांक 15.11.2022, जारी दिनांक 15.11.2022 है जिसमें मेरा नाम त्रुटिवश डॉ आनंद थवाईत दर्ज हो गया है। यह कि, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आनंद थवाईत दर्ज है जो कि सत्य व सही है। यह कि, मैं मेरी पुत्री की उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम डॉ आनंद थवाईत के स्थान पर आनंद थवाईत दर्ज कराकर उसकी द्वितीय प्रति प्राप्त करना चाहता हूं। यह कि, मैं नगर पालिक निगम कोरबा के समस्त नियम एवं शर्तों का पालन करने हेतु तैयार हूं। यह कि, यह शपथ पत्र मेरे द्वारा उपरोक्त कथन के समर्थन में निष्पादित किया गया है जिस संबंधित कार्यालय/विभाग में प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
आनंद थवाईत
सर्वमंगला रोड, कोरबा
जिला कोरबा (छ.ग.)

किम जोंग उन ने बढ़ा दी ट्रंप की टेंशन! हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण कर कही बात

सियोल,07 जनवरी (एजेंसी)। किम जोंग उन ने रविवार को हुए प्रक्षेपण अभ्यास के दौरान अपने मजबूत परमाणु कार्यक्रम के समर्थन का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'हालिया भू-राजनीतिक संकट और जटिल अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से यह स्पष्ट हो जाता है कि यह क्यों जरूरी है।'

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि नेता किम जोंग उन ने हाइपरसोनिक मिसाइलों के परीक्षण-उड़ानों का अवलोकन किया। किम जोंग उन ने देश के परमाणु युद्ध को रोकने वाले हथियारों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि देश अपने प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन से पहले हथियारों के प्रदर्शन को बढ़ा रहा है।

उत्तर कोरिया ने इस अभ्यास की जानकारी अपने पड़ोसी देशों की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों का पता लगाने और उत्तर कोरिया पर उकसावे का आरोप लगाने के एक दिन बाद दी। ये परीक्षण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर सम्मेलन के लिए चीन रवाना होने से कुछ ही घंटे पहले हुए।आक्रामक हथियार प्रणालियों को लगातार बढ़ाएगा उत्तर कोरियाआधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि रविवार को हाइपरसोनिक हथियार प्रणाली से जुड़े अभ्यास का उद्देश्य इसकी तत्परता की जांच करना, मिसाइल सैनिकों के मारक क्षमता परिचालन कौशल को बढ़ाना और देश की युद्ध निवारक क्षमता का मूल्यांकन करना था। केसीएनए के अनुसार किम जोंग ने कहा, 'आज के प्रक्षेपण अभ्यास के जरिए हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि राष्ट्रीय रक्षा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। हमें सैन्य साधनों, विशेष रूप से

आक्रामक हथियार प्रणालियों को लगातार उन्नत करना होगा।'एक कारगर हाइपरसोनिक हथियार हासिल करने से उत्तर कोरिया को अमेरिका और दक्षिण कोरिया की मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदने की क्षमता मिल जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में, उत्तर कोरिया ने इसे प्राप्त करने के लिए कई परीक्षण किए हैं, लेकिन कई विदेशी विशेषज्ञ इस बात पर संदेह जताते हैं कि परीक्षण की गई मिसाइलों ने उड़ान के दौरान वांछित गति और निशाना बदलने की क्षमता प्राप्त की है या नहीं।हाल के हफ्तों में उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों और नई वायु-रोधी मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने अपनी पहली परमाणु-संचालित पनडुब्बी के निर्माण में हुई प्रगति को दर्शाने वाली तस्वीरें भी जारी कीं। पर्यवेक्षकों का कहना है कि उत्तर कोरिया का उद्देश्य सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के पांच वर्षों में होने वाले पहले सम्मेलन से पहले हथियार विकास क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन या समीक्षा करना है। सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या किम कांग्रेस का इस्तेमाल करके अमेरिका के साथ संबंधों पर एक नया दृष्टिकोण अपनाएंगे और लंबे समय से ठप पड़ी बातचीत को फिर से शुरू करेंगे।सोमवार को ली और शी के बीच होने वाले शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा होने की उम्मीद है। ली के कार्यालय ने पहले कहा था कि वे उत्तर कोरिया के प्रमुख सहयोगी और आर्थिक संपर्क सूत्र चीन से कोरियाई प्रायद्वीप में शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों में रचनात्मक भूमिका निभाने का आह्वान करेंगे।वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य अभियान की उत्तर कोरिया ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह एक बार फिर अमेरिका के दुष्ट और क्रूर स्वभाव को दर्शाता है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी अभियान से किम अपने परमाणु हथियारों की क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इससे अमेरिकी नेतृत्व वाली शत्रुता के सामने उनकी सरकार और राज्य की संप्रभुता का अस्तित्व सुनिश्चित होगा।

अमेरिका के मैरीलैंड में भारतवंशी निकिता गोदिशाला की चाकू से हत्या, पूर्व प्रेमी पर शक, भारत भागा आरोपी

मैरीलैंड ,07 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में 27 वर्षीय भारतीय युवती निकिता गोदिशाला की चाकू से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि निकिता के पूर्व प्रेमी अर्जुन शर्मा ने घटना को अंजाम दिया।

अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में 27 वर्षीय भारतीय युवती निकिता गोदिशाला की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि इस वारदात को निकिता के पूर्व प्रेमी अर्जुन शर्मा ने अंजाम दिया और इसके बाद वह भारत फरार हो गया।

कै से सामने आया पूरा मामला?हावर्ड काउंटी पुलिस के मुताबिक, निकिता गोदिशाला एलिकॉट सिटी की रहने वाली थीं और 2 जनवरी को उनके लापता होने की सूचना दी गई थी। जांच के दौरान पुलिस को निकिता का शव कोलंबिया, मैरीलैंड में स्थित अर्जुन शर्मा के अपार्टमेंट से बरामद हुआ। शव पर चाकू से किए गए कई वार के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई।

चौंकाने वाली बात यह है कि निकिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट खुद अर्जुन शर्मा ने ही दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि उसने आखिरी बार 31 दिसंबर की शाम को निकिता को अपने अपार्टमेंट में देखा था। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि 2 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराने के तुरंत बाद अर्जुन अमेरिका छोड़कर भारत के लिए रवाना हो गया। इससे उस पर शक और पुख्ता हो गया।

जांचकर्ताओं का मानना है कि 31 दिसंबर की शाम करीब 7 बजे के बाद निकिता की हत्या की गई। पुलिस ने अर्जुन शर्मा के खिलाफ प्रथम और द्वितीय श्रेणी की हत्या के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। आरोपी की तलाश के लिए अमेरिकी संघीय एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

इस मामले पर वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने बयान जारी कर कहा है कि वह निकिता के परिवार के संपर्क में है और उन्हें हर संभव कांसुलर सहायता दी जा रही है। दूतावास स्थानीय अमेरिकी अधिकारियों के साथ भी लगातार संपर्क बनाए हुए है। फिलहाल हत्या के पीछे की असली वजह सामने नहीं आ पाई है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और आरोपी को जल्द पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।पूर्व प्रेमी ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

चौंकाने वाली बात यह है कि निकिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट खुद अर्जुन शर्मा ने ही दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि उसने आखिरी बार 31 दिसंबर की शाम को निकिता को अपने अपार्टमेंट में देखा था। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि 2 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराने के तुरंत बाद अर्जुन अमेरिका छोड़कर भारत के लिए रवाना हो गया। इससे उस पर शक और पुख्ता हो गया।

'वेनेजुएला पर दूसरे हमले के लिए तैयार हैं, अगर, डोनाल्ड ट्रंप ने दी धमकी, अगला नंबर किसका?

वॉशिंगटन,07 जनवरी (एजेंसी)। वेनेजुएला पर बड़ी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फिर से दूसरे हमले की चैतावनी जारी की। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम दूसरे हमले के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनका बर्ताव नहीं सुधरा तो हम दूसरा हमला करेंगे।

वेनेजुएला के राजनीतिक भविष्य को लेकर संशय बरकरार है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला की कमान अमेरिका संभालेगा। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने वेनेजुएला में अमेरिकी कब्जे को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि मौजूदा हालात में ऐसा कुछ नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति से एक पत्रकार ने पूछा कि क्या वेनेजुएला में दूसरे ऑपरेशन की संभावना खत्म हो गई है। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, 'ऐसा नहीं है। अगर वे ठीक

से बर्ताव नहीं करते हैं, तो हम दूसरा हमला करेंगे।'वहीं, मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका फिलहाल तेल क्वारंटीन और बड़े नौसैनिक तैनाती जैसे कदमों के जरिए वेनेजुएला सरकार पर दबाव बना रहा है। गौरतलब है कि वेनेजुएला की राजधानी काराकास में आधी रात को चलाए गए अभियान में देश के नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया गया था। मादुरो और उनकी पत्नी फिलहाल न्यूयॉर्क में हैं। दोनों की आज एक अदालत में मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश के मामले में मुकदमे में पेशी होनी है। क्या अगला नंबर कोलंबिया का है?इतना ही नहीं डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला जैसी एक और कार्रवाई कोलंबिया में भी करने का संकेत दिया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर तंज कसते हुए ट्रंप ने कहा कि वह देश एक बीमार शख्स के शासन में है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका उस देश के खिलाफ सैन्य अभियान चलाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया, 'ऐसा अभियान मुझे अच्छा लगता है।' उन्होंने कहा, 'कोलंबिया भी बहुत बीमार है और वहां एक बीमार आदमी का शासन है। उसे कोकीन बनाना और उसे अमेरिका को बेचना पसंद है। वह इसे बहुत लंबे समय तक नहीं कर पाएगा।'वेनेजुएला के राजनीतिक भविष्य को लेकर संशय बरकरार है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला की कमान अमेरिका संभालेगा। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को ऐसा कुछ नहीं है।

रुबियो बोले– वेनेजुएला को सीधे नहीं चलाएगा अमेरिका, तेल उद्योग में सुधार, ड्रग तस्करी रोकना मकसद

वॉशिंगटन ,07 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने साफ किया है कि अमेरिका वेनेजुएला का रोजमर्रा का शासन नहीं चलाएगा। उनका कहना है कि अमेरिका का मुख्य कदम वेनेजुएला पर पहले से लागू तेल नाकेबंदी को सख्ती से लागू करना है, ताकि वहां जरूरी नीतिगत बदलावों के लिए दबाव बनाया जा सके।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को स्पष्ट किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका वेनेजुएला का रोज-मर्रा का प्रशासन नहीं करेगा, बल्कि वहां बदलाव लाने के लिए एक मौजूदा तेल नाकेबंदी को लागू रखेगा। रुबियो के बयान ट्रंप के उस दावे के विपरीत हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका अस्थायी रूप से वेनेजुएला को चलाएगा। रुबियो ने कहा कि अमेरिका का मकसद तेल उद्योग और ड्रग तस्करी रोकने जैसे मुद्दों में सुधार लाना है, न कि देश की प्रत्यक्ष शासन व्यवस्था हाथ में लेना। उन्होंने बताया कि तेल स्थगन अमेरिका को एक बड़ा दबाव देता है ताकि वेनेजुएला में बदलाव हो सके।

एक दिन पहले अमेरिका ने एक बड़े सैन्य अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को बंधक बनाया और उन्हें न्यूयॉर्क ले आए। जहां वे दोनों संयुक्त राज्य में आरोपों का सामना करेंगे, जिसमें ड्रग तस्करी और आपराधिक षड्यंत्र शामिल हैं। यह कदम अमेरिका की अब तक की सबसे निर्णायक कार्रवाई मानी जा रही है, और इसके लिए ट्रंप प्रशासन को कांग्रेस से अनुमति नहीं मिली थी, जिससे विवाद और बढ़ गया है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि अमेरिका वेनेजुएला को तब तक चलाएगा जब तक एक सुरक्षित

और व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के तेल उद्योग में निवेश करेंगी। लेकिन रुबियो ने अपने बयान में इसे बदलते हुए कहा कि अमेरिका देश नहीं चलाएगा, बल्कि केवल तेल ब्लॉकैड और दबाव के जरिये बदलाव लाने की कोशिश करेगा।अमेरिकी रणनीति क्या है?

अमेरिका ने एक तेल नाकेबंदी लागू की है, जिसमें प्रतिबंधित तेल टैंकरों को रोका जा रहा है और उनके खिलाफ अदालत आदेशों पर तेल जहाजों को भी जब्त किया जा रहा है। रुबियो का कहना है कि यह सबसे बड़ा दबाव का उपाय है ताकि वेनेजुएला नई नीतियां अपनाए, जैसे ड्रग तस्करी को रोकना और अन्य अपराधी समूहों को बाहर निकालना। रुबियो ने यह भी कहा है कि सैन्य विकल्प अभी पूरी तरह से बेकार नहीं कहा गया है, लेकिन अभी मुख्य फोकस दबाव और तेल नाकेबंदी पर है, न कि सीधी सैन्य अधिग्रहण पर।कुछ दुनिया के प्रमुख देशों और नेताओं ने अमेरिका के इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है, इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। अमेरिकी कांग्रेस के कुछ डेमोक्रेटिक सदस्यों ने भी कहा है कि उनसे पहले सलाह नहीं लिया गया और वे आगे की कार्रवाई के लिए विस्तृत योजना चाहते हैं। वेनेजुएला में वर्तमान उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को वैध नेता नहीं मानने की भी बात कही गई है, और यह स्पष्ट नहीं है कि भविष्य में कौन नेतृत्व करेगा।क्यूबा के राष्ट्रपति ने अमेरिका के कदम की आलोचना करते हुए कहा और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सोमवार को बैठक करेगा, क्योंकि कई देशों ने इस अमेरिकी सैन्य कार्रवाई पर गंभीर चिंता जताई है कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन कर सकता है।

नेपाल में भारत की सीमा से सटे दो कस्बों में हिंसा; पुलिस पर हुआ पथराव, थाने में की गई तोड़फोड़

काठमांडू ,07 जनवरी (एजेंसी)। नेपाल में भारतीय सीमा से सटे दो कस्बों में हिंसा की खबरें सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया और थाने में तोड़फोड़ भी की गई। वहीं हिंदू विरोधी सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित करने पर मस्जिद में की तोड़फोड़ खबर है।दक्षिणी नेपाल में भारतीय सीमा के नजदीक दो कस्बों में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक धार्मिक सामग्री प्रसारित किए जाने के बाद मस्जिद में तोड़फोड़ की गई। इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोग हिंसक हो गए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव व थाने में तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। हिंसा में सात पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

धनुषा जिले में तोड़फोड के बाद प्रदर्शन

भारत के रक्सौल से सटे परसा जिले के बीरगंज कस्बे में शनिवार को धनुषा जिले की एक मस्जिद में तोड़फोड़ के विरोध में प्रदर्शन हुए। धनुषा पुलिस ने बताया कि टिकटॉक वीडियो पोस्ट करने व तोड़फोड़ में शामिल होने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि दो युवकों ने सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी सामग्री प्रसारित की थी। इसके विरोध के दौरान धनुषा जिले के कमला नगरपालिका के सखुवा मारन इलाके में कुछ लोगों ने मस्जिद में तोड़फोड़ की। घटनाओं के विरोध में लोगों ने रविवार सुबह बीरगंज में टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

जेन-जी आंदोलन की जांच कर रही समिति ने पूर्व पीएम ओली को दिया नोटिसनेपाल के जेन-जी आंदोलन के दौरान 8 व 9 सितंबर, 2025 को हुई गोलीबारी व अन्य घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बयान देने के लिए नोटिस दिया है। आयोग को बयान देने नहीं जाने की बात सार्वजनिक रूप से करने वाले ओली को उनके गुंडु स्थित निवास पर नोटिस थमाया गया। आयोग सदस्य विज्ञानराज शर्मा ने नोटिस दिए जाने की पुष्टि की है। अब ओली को सात दिनों के भीतर जवाब देना होगा। जांच आयोग 8-9 सितंबर को जेन-जी आंदोलन के दौरान गोली चलने और दमन के आरोपों को लेकर तत्कालीन सरकार के प्रमुख के रूप में ओली का बयान लेना चाहता है। ओली इससे पहले सार्वजनिक कार्यक्रमों में स्पष्ट कर चुके हैं कि उन्होंने गोली चलाने का कोई आदेश नहीं दिया था।

जेन-जी आंदोलन की जांच कर रही समिति ने पूर्व पीएम ओली को दिया नोटिसनेपाल के जेन-जी आंदोलन के दौरान 8 व 9 सितंबर, 2025 को हुई गोलीबारी व अन्य घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बयान देने के लिए नोटिस दिया है।

मादुरो और उनकी पत्नी की आज अमेरिकी कोर्ट में पेशी, नार्को-आतंकवाद के आरोपों का करेंगे सामना

न्यूयॉर्क ,07 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के दौरान निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास में उनके आवास से निकाला गया था। इसके बाद उन्हें यूएसएस इवो जिमा युद्धपोत पर ले जाया गया। यहां से उन्हें हवाई जहाज के जरिए आपराधिक आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका लाया गया।वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस सोमवार (अमेरिकी समय) को एक संघीय न्यायाधीश के सामने पेश होंगे। सीबीएस न्यूज के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इस बात की पुष्टि की गई है कि मामले की सुनवाई न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में होगी, प्रवक्ता ने बताया कि मादुरो और उनकी पत्नी सोमवार को दोपहर 12 बजे संघीय अदालत में पेश होंगे। शनिवार को वाशिंगटन की ओर से वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर हमला करने के साथ ही निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर देश से बाहर ले जाने के बाद यह उनकी पहली अदालती पेशी होगी।मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखे गए मादुरोखुफिया एजेंसियों और अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान में मादुरो

और फ्लोरेस को काराकास में पकड़ा गया और देश से बाहर ले जाया गया। दोनों शनिवार दोपहर को न्यूयॉर्क पहुंचे। शनिवार को मादुरो ब्रुकलिन स्थित संघीय जेल मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर पहुंचे। सीबीएस न्यूज के अनुसार, शनिवार रात तक उन्हें अलग विंग में रखे जाने की संभावना नहीं थी, जबकि उनकी पत्नी की हिरासत की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।इस जेल में रखी गई हैं कई हस्तियांजेल में भीड़भाड़ की समस्या से निपटने के लिए 1990 के दशक में इस जेल का निर्माण किया गया था। इस जेल में गायक आर केली, 'फार्मा ब्रो' मार्टिन श्रेली, सोशलाइट घिसलेन मैक्सवेल, क्रिप्टोकरेंसी के दिग्गज सैम बैंकमैन-फ्राइड और संगीत जगत के दिग्गज शॉन 'डीडी' कॉम्ब्स सहित कई हस्तियों को रखा जा चुका है। सीएनएन के अनुसार संदिग्ध गिरोह प्रमुख इस्माइल 'एल मायो' जद्रम्बाडा गार्सिया को भी हत्या और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों में मुकदमे की प्रतीक्षा करते हुए यहीं रखा गया था।नार्को-आतंकवाद के साथ हथियार रखने के भी लगे आरोपन्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में मादुरो, उनके परिवार और मंत्रिमंडल के सदस्यों के खिलाफ दायर एक अभियोग में अमेरिका ने दक्षिण अमेरिकी नेता पर कथित नार्को-आतंकवाद में शामिल होने और कोकीन आयात करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी की ओर से सार्वजनिक किए गए अभियोग के अनुसार मादुरो और उनकी पत्नी पर मशीन गन और अन्य विनाशकारी हथियार रखने और साजिश रचने का भी आरोप है।

रनवे पर बेकाबू होकर फिसला बुद्ध एयर का प्लेन, यात्रियों में मची अफरा-तफरी, बाल-बाल बचे 55 यात्री

काठमांडू ,07जनवरी (एजेंसी)। नेपाल के झापा जिले के भद्रपुर एयरपोर्ट पर काठमांडू से आ रहा बुद्ध एयर का एक यात्री विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। विमान में सवार 51 यात्रियों और चार क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, हालांकि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आने की सूचना है।घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई और उड़ान संचालन कुछ समय के लिए बाधित रहा। हादसे के बाद एक बार फिर नेपाल में विमानन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।बुद्ध एयर की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि घटना की विस्तृत जांच के लिए नेपाल की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएएन) के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। सीएएन के मुताबिक, लैंडिंग के समय विमान अपेक्षा से अधिक एंगल पर रनवे को छू गया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह रनवे से बाहर चला गया। प्राथमिक जांच में तकनीकी कारणों, पायलट के आकलन और मौसम की स्थिति की भूमिका की गहन पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार भद्रपुर एयरपोर्ट का रनवे एटीआर श्रेणी के विमानों के लिए न्यूनतम निर्धारित मानकों के अनुरूप है। हालांकि घटना के बाद सुरक्षा कारणों से रनवे की प्रभावी लंबाई अस्थायी रूप से कम कर दी गई और आवश्यक निरीक्षण के बाद हवाई अड्डे का संचालन फिर शुरू किया गया।एविएशन विशेषज्ञ कुमार चालिसे ने कहा कि यदि विमान के मुख्य ढांचे या लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा है तो अंतरराष्ट्रीय विमानन मानकों के तहत इसे गंभीर दुर्घटना की श्रेणी में रखा जाएगा। सिविल एविएशन अथॉरिटी ने आंतरिक जांच के साथ-साथ एक स्वतंत्र जांच समिति गठित करने के संकेत दिए हैं। हादसे के कारणों की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही जिम्मेदारी तय हो सकेगी, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर हवाई सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जरूरत को उजागर कर दिया है।

ब्रिटेन-फ्रांस ने सीरिया में की एयर स्ट्राइक, बमों से उड़ाया आतंकियों का भूमिगत हथियार डिपो

लंदन ,07 जनवरी (एजेंसी)। ब्रिटेन और फ्रांस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में सीरिया के अंदर आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की है। लड़ाकू विमानों ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप के एक संदिग्ध भूमिगत हथियार डिपो पर बमबारी की। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा कि इस हमले में किसी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा है और सभी एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के बाद सुरक्षित लौट आए हैं। सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप (दाएश आतंकवादी संगठन) फिर से उभरने की कोशिश में है, जिसने 2019 तक सीरिया के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। इसे रोकने के लिए ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ मिलकर ऑपरेशन किया।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा, रॉयल एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट मार्च 2019 में अपनी सैन्य हार के बाद दाएश आतंकवादी ग्रुप के किसी भी संभावित पुनरुत्थान को रोकने के लिए सीरिया के ऊपर गश्त करना जारी रखे हुए हैं। सावधानीपूर्वक खुफिया विश्लेषण ने पलमायरा के प्रमुख स्थल से कुछ मील उत्तर में पहाड़ों में एक भूमिगत ठिकाने की पहचान की। इस ठिकाने पर दाएश का कब्जा था, जिसका इस्तेमाल हथियार और विस्फोटक जमा करने के लिए किया जाता था। ठिकाने के आसपास के क्षेत्र में कोई नागरिक बस्ती नहीं है।

रॉयल एयरफोर्स के टाइफून एफजीआर4एस फाइटर जेट्स ने फ्रांसीसी विमानों के साथ एक संयुक्त कार्रवाई में 3 जनवरी की शाम को भूमिगत ठिकाने पर हमला किया। विमानों ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए पेववे-4 गाइडेड बमों का इस्तेमाल किया। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शुरुआती संकेत हैं कि लड़ाकू विमानों ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विमानों को वॉयेजर एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर से ईंधन सपोर्ट लेते दिखाया गया। रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा, यह कार्रवाई ।

सम्पादकीय...

शाहरुख निशाने पर क्यों?

नए साल के नवचेतन माहौल में, नए संस्कारों और नई सोच के साथ यह भी कामना रही है कि ईश्वर धर्मांध लोगों को सद्बुद्धि दें। वे भी आत्ममंथन करें कि जिनका धर्म, आस्था भिन्न हैं, उनका भी अस्तित्व है। यह देश उनका भी है। संविधान उन्हें भी अधिकार और सुरक्षा देता है। यह देश सिर्फ धर्मांध लोगों का ही नहीं है। वे खुशफहमी में मत रहें। धर्मांधता से विपुल जन-समर्थन भी हासिल नहीं किया जा सकता। कौन हैं ये लोग, जो देश को धर्म के आधार पर परिभाषित करते रहते हैं? शाहरुख खान इस देश का महानायक है। उनके करोड़ों चहेते और प्रशंसक हैं। वह बॉलीवुड के सुपर स्टार हैं। हर साल करोड़ों रुपए का टैक्स सरकार को देते हैं। उस राशि से भी जन और समाज का कल्याण और विकास होता है। उन्हें सिर्फ इसलिए गालियां दी गईं, क्योंकि वह खान हैं। जिन्होंने उन्हें गद्दार कहा, देशद्रोही करार दिया, जेहादी जानवर तक कह दिया, वे कौन हैं? क्या इनसान को 'जानवर' करार दिया जा सकता है? ऐसी गालियां देने वाले कथावाचक, कथित साधु-संत और विधायक हैं। रामभद्राचार्य को 'जगद्गुरु' का सम्मान हासिल है। कई अति विशिष्ट लोगों को हमने उनके पांव छूते हुए, दंडवत देखा है। देवकीनंदन ठाकुर 'कथावाचक' हैं, लिहाजा श्रद्धालुओं का एक वर्ग उनका भी 'भक्त' है। नंदकिशोर गुर्जर भाजपा विधायक हैं या संगीत सोम भाजपा के ही पूर्व विधायक हैं। उनकी सार्वजनिक जिम्मेदारी गालियां देने की नहीं है। वे जन-सेवक हैं। एक महिला नेता ने घोषणा की कि जो शाहरुख खान की जीभ काट कर लाएगा, उसे एक लाख रुपए इनाम दिया जाएगा। ये हिंसक, नफरती और सांप्रदायिक बयान क्यों दिए गए? और उनका राजनीतिक नेतृत्व खामोश क्यों बैठा रहा? क्या शीर्ष से ही संकेत हुए थे कि ऐसे बयान दिए जाएं? आखिर शाहरुख खान ने क्या अपराध किया था? वह आईपीएल की 'केकेआर टीम' के सह-मालिक हैं। उनकी हिस्सेदारी 55 फीसदी की है, जबकि 45 फीसदी हिस्सेदारी जूही चावला एवं उनके पति जय मेहता की है। यदि 'केकेआर' के लिए एक बांग्लादेशी तेज गेंदबाज को अनुबंधित किया गया, तो कमोबेश शाहरुख ने कोई 'अंतरराष्ट्रीय अपराध' नहीं किया। बांग्लादेश भारत का 'दुश्मन देश' नहीं है। हमारे राजनयिक संबंध अब भी बरकरार हैं। वहां की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका गए। बांग्लादेश की तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना बीते करीब डेढ़ साल से भारत की शरण और संरक्षण में सुरक्षित हैं। उनकी जवाबदेही किसकी है? भारत की अदाणी पॉवर, वीआईपी, डाबर, हीरो मोटरकॉर्प, इमामी आदि कई कंपनियां बांग्लादेश के साथ करीब 1 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करती हैं। भारत बांग्लादेश से करीब 17,000 करोड़ रुपए का आयात भी करता है। यदि कुछ गालीबाज चेहरों और संगठनों को बांग्लादेशी, मुस्लिम क्रिकेटर के आईपीएल में खेलने पर आपत्ति है, तो सबसे पहले बीसीसीआई को कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए कि उसने बांग्ला खिलाड़ियों के चयन और अनुबंध पर पाबंदी क्यों नहीं लगाई? पाकिस्तान के क्रिकेटरों पर ऐसी पाबंदी लागू है। शाहरुख क्या कर सकते हैं? वह तो खिलाड़ियों की बोली में भी शामिल नहीं होते। फिर मुट्ठी भर गालीबाज लोग किसी को भी गद्दार, देशद्रोही, जेहादी जानवर कैसे करार दे सकते हैं? हमारा मानना है कि ऐसी गालियां देना ही 'अपराध' है, लिहाजा गालीबाजों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। बहरहाल अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने फैसला लिया है कि उनकी टीम टी-20 विश्व कप के चार मैच भारत में नहीं खेलेगी। उन्हें श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए। अभी आईसीसी का फैसला आना है, लेकिन सितंबर में टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर बीसीसीआई का क्या निर्णय है? दरअसल यह विवाद ही नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं की जा रही हैं, उनके घर-मंदिर और उनकी दुकानें जलाई जा रही हैं। प्रतिक्रिया में विहिप और कुछ अन्य हिंदूवादी संगठन भारत के शहरों में आंदोलित हैं, लेकिन उन्होंने किसी की हत्या नहीं की है। इस पर भारत के प्रधानमंत्री को वहां के शासकों को सख्त जुबान में चेतावनी देनी चाहिए थी अथवा जो वह उचित समझते, वह प्रतिक्रिया बहुत पहले दी जानी चाहिए थी।

क्या रूसी लोग युद्धखोर हैं?

शंकर शरण

रूसी इतिहास में युद्ध सदियों से बार-बार की परिघटना है। अमेरिकी इतिहासकार प्रो. ग्रेगोरी कार्लटन ने अपनी पुस्तक 'रसियाद स्टोरी ऑफ वार' (2017) में रूसी इतिहास का एक रोचक आकलन किया है। ज ऐतिहासिक रूप से रूसियों के लिए युद्ध उन के अस्तित्व का सामान्य अंग रहा है। रूसी सैन्य अकादमी के प्रमुख रहे निकोलाई सुखोतिन ने उन्नीसवीं सदी के अंत में हिसाब लगाकर बताया था कि उस से पिछली पाँच सदियों में रूस का लगभग दो तिहाई समय युद्ध लड़ते बीता है। उस के बाद, आगे बीसवीं सदी का हिसाब तो ऊपर देख ही चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस-उक्रेन युद्ध के जल्द ही खत्म होने का दावा किया है। पर रूसी राष्ट्रपति पूतिन जल्दी में नहीं लगते। न ही उक्रेनी राष्ट्रपति जेलेन्स्की बहुत अधीर लगते हैं। इसीलिए कूटनीतिक बात-चीत में प्रगति जरूर हो रही है, पर ट्रंप का दावा अधिक विश्वसनीय नहीं लगता।

इसलिए भी, कि कुछ ही पहले ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति पूतिन को 'पागल' कहा था। क्योंकि उन्होंने फटाफट ट्रंप की बात मान उक्रेन से युद्ध खत्म नहीं किया। पर ट्रंप रूसियों का चरित्र नहीं जानते। वे रूस के इतिहास से भी अनजान लगते हैं। यह कुछ स्वाभाविक भी है। अमेरिकियों द्वारा युद्ध को अपवाद, असहज घटना सा लिया जाता है। संभवत: कारण यह भी हो कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने कभी विदेशी कब्जा नहीं झेला है। द्वितीय विश्व युद्ध और वियतनाम, दोनों में मिलाकर भी कुल पाँच लाख अमेरिकी सैनिक मारे गये। लेकिन उसी से अमेरिकी काफी खिन्न हुए थे। आज तक उस की मनोवैज्ञानिक स्मृति वहाँ की रचनाओं में आती रहती है।

परन्तु रूसी इतिहास में युद्ध सदियों से बार-बार की परिघटना है। अमेरिकी इतिहासकार प्रो. ग्रेगोरी कार्लटन ने अपनी पुस्तक 'रसियाद स्टोरी ऑफ वार' (2017) में रूसी इतिहास का एक रोचक आकलन किया है। उस से पता चलता है अब तक रुसियों ने अनेक ऐसे युद्ध झेले जो मानो रूसियों को समूल खत्म कर देने लिए हुए थे। केवल द्वितीय विश्व युद्ध में ही 2 करोड़ से अधिक रूसी मारे गये थे, जबकि पूरे देश की आबादी 17 करोड़ थी।

हिटलर ने सचमुच रूसियों के खात्मे के लिए ही लेनिनग्राद पर घेरा डाला था। वह लेनिनग्राद पर कब्जा कर सकता था, परन्तु उस ने सितंबर 1941 से जनवरी 1944, ढाई साल तक, उस शानदार नगर की घेरेबंदी कर तमाम रूसियों को भूख से मार डालना तय किया था! उसे झेल कर तमाम रूसी लड़ते रहे। अंत में बर्लिन तक जाकर हिटलर को हराया। उस युद्ध के चार साल में रूस की संपूर्ण युवा पुरूष आबादी के तीन चौथाई से अधिक मारे गये!

वह रूस के लिए वैसा अपवाद युद्ध भी न था। उस से पहले प्रथम विश्व युद्ध, कम्युनिस्ट क्रांति, और गृह-युद्ध — यानी 1914 से 1921 के बीच — मात्र छ:-सात वर्ष में 1 करोड़ रूसी मारे गये थे। जबकि रूस की कुल आबादी मात्र 18 करोड़ थी। और पीछे जाएं, तो 1812 में नेपोलियन की महान सेना ने मास्को को जलाकर राख कर दिया था। वह फ्रांसीसी सेना तब तक यूरोपीय इतिहास में सब से बड़ी थी! लेव टॉलस्टाय का कालजयी उपन्यास 'वार एंड पीस' उसी पृष्ठभूमि पर लिखा हुआ है, जो विश्व का महानतम उपन्यास माना जाता है।

उस से पहले 13-15 वीं सदी में मंगोल और तातार हमलावरों ने रयाजान, सुजदल, मॉस्को, त्वेर, कीव, रोस्तोव, आदि कितने ही रूसी नगरों का पूर्ण विनाश कर दिया था! मंगोलों ने रूस पर दो सदियों तक, 15वीं सदी के अंतिम चरण तक शासन किया। अंतत: हारने के बाद भी मंगोल हमलावर क्रीमिया पर छापे मारते रहते थे। उन्होंने भी दो बार मास्को को जला डाला था और 16वीं सदी तक रूसियों को गुलाम बनाकर सीरिया, फारस और तुर्की बाजारों में बेचा।

इसलिए, रूसी मानस में दोनेत्स्क, क्रीमिया, आदि केवल भौगौलिक क्षेत्र नहीं है। वह विदेशी हमलों, भयावह उत्पीड़न झेलने और लड़ने का ऐतिहासिक प्रतीक भी है। न केवल क्रीमिया रूस का ऐतिहासिक अंग है, बल्कि स्वयं उक्रेनी लोग भी 'छोटे रूसी' कहे जाते रहे हैं। पहले सदियों तक रूस का नाम ही 'कीव-रूस' था। पूरा उक्रेन ही रूस का अंग था। उसे सोवियत संघ का एक अलग प्रांत भी रूसी नेता लेनिन ने 1919 में बनाया। उस से पहले उक्रेन कभी रूस से अलग देश तो क्या, अलग प्रांत भी नहीं रहा था। अत: रूस-उक्रेन युद्ध भाइयों की लड़ाई है। चाहे दोनों के चरित्र में अब काफी अंतर क्यों न आ गया हो।

अत:, ऐतिहासिक रूप से रूसियों के लिए युद्ध उन के अस्तित्व का सामान्य अंग रहा है। रूसी सैन्य अकादमी के प्रमुख रहे निकोलाई सुखोतिन ने उन्नीसवीं सदी के अंत में हिसाब लगाकर बताया था कि उस से पिछली पाँच सदियों में रूस का लगभग दो तिहाई समय युद्ध लड़ते बीता है। उस के बाद, आगे बीसवीं सदी का हिसाब तो ऊपर देख ही चुके हैं।

इसीलिए, रूसी समाज अपने सैनिकों और स्मारकों के प्रति जो विशेष और नियमित आदर स्थान रखता है, वह विश्व में अन्यत्र कहीं नहीं है। मॉस्को में विवाह के बाद नवविवाहित जोड़ा सब से पहले 'अनाम सैनिक के स्मारक' पर जाकर फूल चढ़ाता है। हिटलर पर जीत का दिन, 9 मई रूस में सब से बड़े राष्ट्रीय पर्व जैसा है, जिस में सभी रूसी समान श्रद्धा रखते हैं। ऐसा संभवत: दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं है।

रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च ने अनेक रूसी योद्धाओं को संत की उपाधि दी है। इसलिए नहीं कि उन्होंने ऑर्थोडॉक्स चर्च को फैलाया या उस के मिशनरी थे, जैसा कैथोलिक चर्च परंपरा में है। बल्कि इसलिए कि उन रूसी योद्धाओं ने समाज की रक्षा की। दमित्री दोन्सकी, अलेक्जेंडर नेवस्की, और एडमिरल उसाकोव ऐसे कुछ ऐतिहासिक रूसी योद्धा रहे हैं, जिन्होंने मंगोलों, ट्यूटनों, या तुर्कों से लड़ कर मातृभूमि को मुक्त कराया, या उस की रक्षा की थी। उन्हें रूसी चर्च ने संत की उपाधियाँ दी। यह भी दुनिया में अपवाद है, कि सैनिक योद्धाओं को 'संत' की उपाधि मिली।

(यह लेखक के अपने विचार है)

नेताओं की बदजुबानी का सभी तरफ असर

विनीत नारायण

लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असंसदीय भाषा उसकी आत्मा को चोट पहुंचाती है। अगर हम एक मजबूत भारत चाहते हैं, तो राजनीतिक बयानों व भाषणों को सभ्य बनाना होगा। नेता याद रखें कि वे जनता के सेवक हैं, न कि शासक। नागरिक, कार्यकर्ता और मीडिया सब मिलकर इस प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। तभी हमारा लोकतंत्र सच्चे अर्थों में चमकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती उसके नेताओं की गरिमा और संवाद की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। लेकिन हाल के वर्षों में, राजनीतिक भाषणों व बयानों में अभद्र टिप्पणियां व असंसदीय भाषा, गाली-गलौज का बढ़ता प्रयोग एक गंभीर मुद्दा बन गया है। यह न केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित है, बल्कि चुनावी रैलियों, मीडिया इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर भी फैल चुका है। यह मुद्दा इतना संवेदनशील बन चुका है कि राजनीतिक दल चाहे कोई भी क्यों न हो उनके बिगड़े बोल, आम नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया पर एक नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। साथ ही, महिलाओं, विपक्षी दलों और पत्रकारों के प्रति नेताओं के दुर्व्यवहार भी आजकल चर्चा में है जो कि इन अमर्यादित नेताओं के सच्चे चरित्र को सामने लाता है।

संसदीय परंपराओं में, असंसदीय भाषा वह होती है जो अपमानजनक, अभद्र या व्यक्तिगत हमला करने वाली होती है। भारतीय संसद में, स्पीकर अक्सर ऐसी भाषा को हटाने का आदेश देते हैं, लेकिन संसद के बाहर ऐसे बयानों पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं होता। राजनीतिक नेता अक्सर विपक्षी नेताओं को 'चोर', 'गद्दार' या इससे भी बदतर शब्दों से संबोधित करते हैं। चुनावी मौसम में यह और तीव्र हो जाता है, जहां व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की जगह ले लेते हैं। गौरतलब है कि कुछ नेताओं की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया के युग में यह वायरल होकर लाखों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे समाज पर इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। भारतीय वोटर या नागरिक अपनी पसंद अनुसार राजनीतिक दलों का समर्थन करते हैं और उन दलों के नेताओं को अपना आदर्श भी मानते हैं। जब नेता सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज करते हैं, तो यह नागरिकों में नेतृत्व के प्रति सम्मान की भावना को कमजोर करता है। विशेषकर युवा पीढ़ी, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय है, इससे प्रभावित होती है। वे सोचते हैं कि अगर देश के लोकप्रिय नेता खुले मंचों पर ही ऐसी भाषा का प्रयोग करते हैं, तो सामान्य जीवन में क्या करते होंगे?

इससे समाज में असहिष्णुता और हिंसा की संस्कृति पनपती है। उदाहरणस्वरूप, जब कोई नेता विपक्षी को 'कुत्ता' या 'सुअर' जैसे शब्दों से नवाजता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति का अपमान है, बल्कि पूरे लोकतंत्र का मजाक उड़ाता है। नागरिकों में यह धारणा बनती है कि राजनीति एक गंदा खेल है, जहां नैतिकता की कोई जगह नहीं। परिणामस्वरूप, मतदान में उदासीनता बढ़ती है और लोग राजनीति से दूर होते जाते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, कई नागरिकों का मानना है कि ऐसी भाषा से राजनीति की विश्वसनीयता घटती है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है।

राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने नेताओं को आदर्श मानकर उनका अनुसरण करते हैं। जब शीर्ष नेता असंसदीय भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह कार्यकर्ताओं में भी वैसी ही प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है। चुनावी रैलियों में कार्यकर्ता विपक्षी दलों के खिलाफ नारे लगाते समय अक्सर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो कभी-कभी हिंसक झड़पों में बदल जाता है। इससे दल के अंदर अनुशासनहीनता बढ़ती है और कार्यकर्ता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा में उलझ जाते हैं।

इसके अलावा, जब कोई नेता अपनी ही पार्टी के सदस्यों के खिलाफ ऐसी भाषा इस्तेमाल करता है (जैसे असंतोषी सदस्यों को 'गद्दार' कहना), तो यह आंतरिक कलह को जन्म देता है। पार्टी कार्यकर्ता निराश होते हैं और उनका मनोबल गिरता है। लंबे समय में, यह दलों की एकजुटता को प्रभावित करता है और राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डालता है। कार्यकर्ता सोचते हैं कि अगर नेता ही सम्मान नहीं रखते, तो वे क्यों रखें? इससे राजनीतिक संस्कृति में गिरावट आती है।

वहीं मीडिया पर इसका प्रभाव सबसे अधिक चिंताजनक है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो नेताओं से सवाल पूछकर जवाबदेही सुनिश्चित करती है। लेकिन जब पत्रकार तीखे सवाल पूछते हैं, तो कई नेता उन पर व्यक्तिगत हमला करते हैं या अभद्र व्यवहार करते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेता पत्रकारों को 'पेड मीडिया' या 'दलाल' कहकर अपमानित करते हैं। कभी-कभी यह शारीरिक धमकी तक पहुंच जाता है, जैसे कैमरा छीनना या बाहर निकालना। इससे मीडिया की स्वतंत्रता पर खतरा मंडराता है। पत्रकार डर के मारे सवाल पूछने से हिचकिचाते हैं, जिससे जनता को सच्ची जानकारी नहीं मिलती। सोशल मीडिया पर नेता पत्रकारों के खिलाफ ट्रोल आर्मी को सक्रिय करते हैं, जो अभद्र टिप्पणियों से उन्हें परेशान करते हैं। यह न केवल मीडिया की ट्रीय रिपोर्ट्स में भारत में पत्रकारों पर हमलों की संख्या बढ़ने का उल्लेख है, और असंसदीय भाषा इसका एक प्रमुख कारण है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन उनके खिलाफ लिंगभेदी टिप्पणियां एक बड़ी समस्या हैं। नेता अक्सर महिला विपक्षी नेताओं की शारीरिक बनावट, कपड़ों या व्यक्तिगत जीवन पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। जैसे 'आइटम' या 'डांस करने वाली' जैसे शब्दों का प्रयोग। यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि पूरे समाज में लिंग असमानता को बढ़ावा देता है। इससे महिला कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरता है और वे राजनीति में आने से हिचकिचाती हैं। विपक्षी दलों के प्रति भी ऐसी भाषा का प्रयोग आम है। नीतिगत मतभेदों की बजाय, नेता व्यक्तिगत हमलों में उलझ जाते हैं, जैसे परिवार को निशाना बनाना या जाति-धर्म पर टिप्पणियां।

(यह लेखक के अपने विचार है)

थैंक गॉड, वे समझे तो सही

अशोक गौतम

बाहर से समझदार लगने वाले को इशारे इशारे में मैंने जितनी बार भी जितने सरल तरीके से मैं उन्हें समझा सकता था समझाया, पर वह समझदार ही क्या जो इशारे इशारे में समझाने पर समझ जाए कि जनाब! सरकारी दफ्तरों में अब काम ऐसे नहीं हुआ करते जैसे आप करवाने की सोच रहे हैं। जब पैदा होने से लेकर मरने तक हमारे सारे काम काज दलाल संभाल रहे हों तो दफ्तरों में भी जनता के काम काज उनके ही थरू हों तो कौन सी बुरी बात है? इससे ऑफिसों में भीड़ भी कम रहती है और काम करने को भी मन करता है।

खैर, रोज की तरह वे कल फिर मेरी कुर्सी के पास आकर मच्छर की तरह मंडराने लगे ये जानते हुए भी कि मच्छर वे नहीं, हम हैं। आते ही रोज की तरह पानी से पतले होते बोले, 'बंधु! महीना हो गया मुझे आपकी कुर्सी के दर्शन करते, मेरा काम कब तक होगा?' उस दिन मुझे उन पर दया आ गई। पहली बार उनके बाल सफेद देखे थे। वैसे व्यवस्था के तुजुर्बे तो पैदा होते बच्चों के बाल सफेद कर देते हैं। आदमी का बच्चा हो तो। शायद, आज उन्होंने अपने बालों में रंग नहीं लगाया था। या कि मेरी कुर्सी की परिक्रमा करते करते उनके बालों का रंग लगाते ही उड़ जाता हो। कारण क्या रहे होंगे, वे ही बता सकते हैं। मेरे जैसा तो केवल स्पैक्यूलेट ही कर सकता था। 'देखो सर! जरा भी आपमें माइंड हो तो प्लीज! बुरा मत मानिएगा! आजकल काम करने का ढंग रंग जरा बदल गया है।' 'तो कैसे होते हैं आजकल काम?' 'अच्छा, एक बात बताओ! आप आस्तिक हो या नास्तिक?' 'नख से शिख तक आस्तिक ही आस्तिक! जनेऊ दिखाऊं क्या?' 'राजनीति में जनेऊ दिखाने के लिए होते हैं सर! ऑफिसों में नहीं। अच्छा, तो आप कभी मंदिर गए हो?' 'रोज जाता हूं। पांचों टाइम!' 'क्या करने?' 'देखो, सरकार से मांगो तो वह तो कुछ देने से रही। देना तो दूर, वह तो सुनती भी नहीं। पता नहीं आजकल की सरकारें पहले से अधिक बहरी क्यों हो गई हैं?' उनके होंठों पर जनता की पीड़ा छलक आई। 'साउंड पॉल्यूशन सर ! साउंड पॉल्यूशन! तो?' 'तो क्या, भगवान कम से कम सुन तो लेते हैं। भले ही मन्नत पूरी करते हों या न।' 'तो आप उनसे मन्नत मांगने से पहले क्या करते हो?' 'पहले उनको चढ़ावा चढ़ा कर रिझाता हूं।'

'तो फिर यहां ऐसा क्यों नहीं? ऑफिस क्या जनता के मंदिरों से कम होते हैं? हम क्या सरकार के पुर्जे नहीं? जनाब! जब बिन चढ़ावे के भगवान नहीं सुनते तो हम क्या खाक सुनें? क्यों सुनें? किसकी सुनें?' 'इसलिए सुनें कि सरकार आपको भक्तों के काम करने का वेतन देती है', अबके वे गुस्से में बोले। सारी मर्यादाओं को त्याग। पर मैं सहज रहा। मुझे पता है कि कुर्सी पर बैठ गुस्सा करना बहुत बुरा होता है। 'देखो भाई साहब! सरकार हमें वेतन ऑफिस में आने का देती है। सरकार हमें वेतन दस से पांच जनता को अपने दर्शन कराने का देती है। काम करवाने के तो अलग लगेंगे ही लगेंगे', मैंने बड़े प्यार से कहा तो वे तुरंत समझ गए। बड़े बड़े पदों से सादर सेवानिवृत्त होने वाले कह गए हैं प्यार से समझाने पर गधे भी बड़ी आसानी से समझ जाया करते हैं मित्रो!

उत्कृष्टता की ओर अग्रसर स्वदेशी रक्षा प्रणाली

विकेश कुमार बडोला

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंतत: रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन 2026 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है।

इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था, कि कैसे इस वायु अस्त्र ने शत्रु देश के चिन्हित ठिकानों को ध्वस्ताधूत किया था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। यह चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारत की आक्रामक क्षमता में वृद्धि करती है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉर्ड्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिए विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोडक़र बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना मेक इन इंडिया के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस श्रृंखला का महत्त्वपूर्ण अंग है तेजस।

तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। यह एक हल्का, चौथी पीढ़ी का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इस वर्ष तेजस मार्क-2 का उत्पादन और परीक्षण अंतिम चरणों में है, जो राफेल के स्तर की तकनीक से लैस है। इसके अतिरिक्त एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट भी भारत का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर प्रोग्राम है। यह दुश्मन के रडार से बचने की क्षमता रखता है। साथ ही एलसीएच प्रचंड भी रक्षा हेतु एक अति उपयोगी अस्त्र है। ये दुनिया का एकमात्र लड़ाकू हेलीकॉप्टर है जो 5000 मीटर की ऊंचाई (सियाचिन जैसे क्षेत्रों) पर आवश्यकतानुसार उतर सकता है और उड़ान भर सकता है। थल एवं नभ ही नहीं, अपितु समुद्र में भी स्वदेशी रक्षा शक्ति नित नवीन उपलब्धियां अर्जित कर रही है। इस आलोक में भारतीय नौसेना का लक्ष्य 2030 तक पूरी तरह स्वदेशी जलयान का निर्माण करना है। हालांकि आईएनएस विक्रांत इस लक्षित कार्य की दिशा में पहले से अर्जित एक उपलब्धि है ही। यह भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है, जिसने भारत को उन विशिष्ट देशों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है जो 40000 टन से अधिक भार के विशाल जलयान बना सकते हैं। इस श्रृंखला में आईएनएस अरिहंत का उल्लेख भी अनिवार्य है। ये वे स्वदेशी परमाणु पनडुब्बियां हैं, जो भारत की 'न्यूक्लियर ट्रायड' (जल, थल और नभ से परमाणु हमले की क्षमता) को पूर्ण करती हैं। साथ ही प्रोजेक्ट 75-आई के तहत भारत में ही अत्याधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक चालित पनडुब्बियों का निर्माण किया जा रहा है। आईएनएस विक्रांत के सफल संचालन के बाद भारत अब दूसरे स्वदेशी विमान वाहक आईएसी-2 की योजना पर काम कर रहा है। आर्टिलरी और बख्तरबंद वाहन के9 वज्र-टी एक स्वचालित हॉवित्जर तोप है जिसे एलएंडटी ने भारत में निर्मित किया है। 'धनुष' भी महत्वपूर्ण है, जो बोफोर्स का संशोधित संस्करण है। एटीएजीएस 155एमएम/52 कैलिबर दुनिया की सबसे लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपों में से एक है। अर्जुन मार्क-1ए भारत का मुख्य युद्धक टैंक है, जो आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों और हंटर-किलर क्षमता से लैस है। युद्धकौशल में वृद्धि हेतु भविष्य की रक्षा तकनीकों का वर्णन यदि होता है तो ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम केंद्र में होते हैं। आधुनिक युद्ध अब धरातल पर सैनिकों द्वारा नहीं, अपितु तकनीक और ड्रोन आधारित हो चुके हैं। इस बिंदु को ध्यान में रख तपस-बीएच-201 तैयार है। यह एक स्वदेशी मीडियम एल्टिट्यूड लांग एंड्युरेंस यानी कि 'मेल' ड्रोन है, जो निगरानी और गुप्त जानकारी एकत्र करने के लिए बनाया गया है।

डीआरडीओ ने एक एंटी-ड्रोन सिस्टम 'डी-4' प्रणाली विकसित की है जो शत्रु के ड्रोन को निष्क्रिय कर सकती है या लेजर से नष्ट कर सकती है। फिलीपींस को ब्रह्मोस की आपूर्ति के बाद कई दक्षिण-पूर्वी एशियाई और खाड़ी के देश इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल में रुचि दिखा रहे हैं। आर्मेनिया को पिनाका रॉकेट सिस्टम का निर्यात, भारत की बढ़ती साख का प्रमाण है। यह दुनिया के सबसे सफल मल्टी-बैरल रॉकेट सिस्टम में से एक बन गया है। रक्षा क्षेत्र में आधुनिक खोजों तथा तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्षा उत्कृष्टता हेतु नवप्रवर्तन पर ध्यान दिया जा रहा है, जिसके द्वारा स्टार्टअप्स और एमएसएमई को रोबोटीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में रक्षा समाधान खोजने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपए 21083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। इस क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

ड्यूटी के दौरान थमीं सांसें: पोस्टमार्टम कराने आए दारोगा की हार्ट अटैक से मौत, सिपाही देते रहे CPR

बदायूं, 07 जनवरी [एजेंसी]। उझानी कोतवाली में तैनात दारोगा कुंवरपाल सिंह की सोमवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचते ही हृदयाघात (हार्टअटैक) से मृत्यु हो गई। वह एक किशोरी के शव का पोस्टमार्टम कराने आए थे। सिविल लाइंस थाने के सामने दुकान पर उन्होंने चाय पी और सिपाही मनोज के साथ मोबाइल पर बात करते हुए पोस्टमार्टम हाउस जा रहे थे। पोस्टमार्टम हाउस पर चढ़ते ही मिट्टी में गश खाकर गिर पड़े। यह देखकर पोस्टमार्टम हाउस के कर्मचारी भी पहुंचे और सीपीआर दिया लेकिन उनकी जान न बचा सके। मूलरूप से बुलंदशहर जिले के रामघाट निवासी 55 वर्षीय दारोगा कुंवरपाल सिंह उझानी कोतवाली में तैनात थे। कई साल से उनका परिवार चंदौसी की भगवती बिहार कालोनी में रहने लगा है। कुंवरपाल वर्ष 1989 में सिपाही के पद पर पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। अभी दो साल पहले ही वह पदोन्नत होकर दारोगा बने थे।पिछले कुछ वर्षों से उन्हें डायबिटीज की समस्या थी। जो अब काफी बढ़ गई थी। इसके चलते उनके पैर आदि की स्किन का रंग तक बदल गया था। रविवार को उझानी में एक 15 साल की किशोरी ने फंदे से लटककर जान दे दी थी। वह उसी के शव का पोस्टमार्टम कराने आए थे। जब वह बदायूं पहुंचे, तब पोस्टमार्टम हाउस पर महिला डाक्टर नहीं आई थी।इससे वह सिविल लाइंस थाने के सामने दुकान पर चाय पीने रुक गए। यहां

उन्होंने चाय पी और करीब 10 मिनट बाद सिपाही मनोज के साथ पैदल-पैदल पोस्टमार्टम हाउस के लिए चल दिए। जैसे ही वह पोस्टमार्टम हाउस के पूर्वी गेट के नजदीक ही पहुंचे कि वहां अचानक सिर पकड़ कर गश खाकर गिर गए।

यह देखकर पोस्टमार्टम हाउस का कर्मचारी सत्यवीर पहुंच गया। उसने दारोगा को सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना पर उझानी इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, कोतवाली इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और बाद में एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय, सीओ उझानी डा. देवेंद्र कुमार व कई पुलिसकर्मी पहुंच गए।उनके स्वजन को सूचना दी गई और उनके शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दो-तीन घंटे बाद उनके स्वजन भी अस्पताल पहुंच गए।

शाम को उनके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन में उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

सभी पुलिस अधिकारियों ने उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर सलामी दी।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब पोस्टमार्टम हाउस कर्मचारी सत्यवीर उन्हें सीपीआर देकर बचाने का प्रयास कर रहा था। उस दौरान डूबती सांस भी एक बार को वापस लौट आई थी। ऐसा लग रहा था कि अब शायद उनकी जान बच जाएगी। तभी तत्काल एंबुलेंस का इंतजाम किया गया और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। कर्मचारी सत्यवीर रास्ते भर उन्हें सीपीआर देता रहा लेकिन वहां पहुंचते-पहुंचते उनका शरीर ठंडा पड़ चुका था।

सोमनाथ भारत माता की वीर संतानों के स्वाभिमान और अदम्य साहस की गाथा : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,07 जनवरी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के विध्वंस और पुनरुत्थान की उस गाथा को स्मरण किया है, जो भारतीय सभ्यता की अमर चेतना का प्रतीक है। वर्ष 1026 में, आज से ठीक एक हजार वर्ष पहले, इस पवित्र मंदिर पर पहला भीषण आक्रमण हुआ था। इसका उद्देश्य केवल एक मंदिर को तोड़ना नहीं था, बल्कि भारत की आस्था और सांस्कृतिक आत्मा को कुचलना था। फिर भी, सहस्राब्दियों बाद आज भी सोमनाथ मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है और बताता है कि आस्था को न तो मिटाया जा सकता है और न ही झुकाया जा सकता है।पीएम मोदी ने सोमनाथ के जरिए भारत की इस चेतना की कहानी को अपनी ब्लॉग पोस्ट में विस्तृत तौर पर लिखा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इसकी जानकारी दी।उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, जय सोमनाथ! वर्ष 2026 में आस्था की हमारी तीर्थस्थली सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। बार-बार हुए हमलों के बावजूद हमारा सोमनाथ मंदिर आज भी अडिग खड़ा है! सोमनाथ दरअसल भारत माता की उन करोड़ों वीर संतानों के स्वाभिमान और अदम्य साहस की गाथा है, जिनके लिए अपनी संस्कृति और सभ्यता सदैव सर्वोपरि रही है।गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख स्थान रखता है। शास्त्रों के अनुसार, इसके दर्शन से पापों से मुक्ति और आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है। यही आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व इसे बार-बार विदेशी आक्रमणों का लक्ष्य बनाता रहा। जनवरी 1026 में भारत की चेतना को समाप्त नहीं कर सका।

संभल में लिफ्ट देने के बहाने युवक से कुकर्म की कोशिश, पुलिस को देख कार छोड़ भागा चालक

संभल, 07 जनवरी [एजेंसी]। संभल से काम करके देर रात घर लौट रहे एक युवक के साथ लिफ्ट देने के बहाने चालक ने सूनसान इलाके में कुकर्म का प्रयास किया। साथ ही पुलिस को आता देख चालक कार को छोड़कर मौके पर फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। साथ ही पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। मुरादाबाद जिले के मैनाठेर अंतर्गत एक गांव निवासी एक युवक संभल कोतवाली क्षेत्र में मजदूरी करता है। रोजाना की तरह ही वह तीन जनवरी को वह मजदूरी का कार्य करने संभल आया था। शाम को कोई वाहन न मिलने के कारण उसे देर हो गई और रात करीब चंदौसी चौराहे पर खड़ा होकर डेढ़ से दो बजे के वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक कार चालक ने उसे लिफ्ट देने के बहाने रोका। युवक ने अपने गांव जाने की बात कही तो चालक ने उसे वहीं छोड़ने का भरोसा दिया। आरोप है कि चालक ने रास्ते में उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं और जबरन कुकर्म का प्रयास किया। विरोध किया और कार से उतरने की कोशिश की तो चालक ने कार लाक कर तेज गति से दौड़ा दी।फिरोजपुर पुल के पास चालक ने कार रोककर जबरन उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें कीं। इसी दौरान सामने से पुलिस की गाड़ी को आता देख युवक ने चिल्लाना शुरू कर दिया। पुलिस को आता देख आरोपित चालक कार को संभल की ओर मोड़कर उससे कूद गया और मौके से फरार हो गया।घटना के बाद डरा-सहमा युवक पुलिस के साथ थाने पहुंचा और पुलिस को अज्ञात कार चालक के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुधीर पवांर ने बताया कि मामले में पीड़ित की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

इंडियन ऑयल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर की 17वीं मंजिल से गिरकर दर्दनाक मौत, नेटवर्क की तलाश में गए थे बालकनी; तभी हुआ हादसा

नोएडा ,07 जनवरी (एजेंसी)। नोएडा के सेक्टर-104 स्थित एक पॉश हाईराइज सोसायटी में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (द्धह्लष्ट) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय गर्ग (55) की 17वीं मंजिल से नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद सोसायटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिसकर्मियों ने 50 लाख कैश और 2 यत्र सोना किया गायब, थानाध्यक्ष सहित दो अधिकारियों पर गिरी गाज

हाजीपुर ,07 जनवरी (एजेंसी)। बिहार के वैशाली जिले स्थित लालगंज थाना क्षेत्र में चोरी की जांच करते-करते पुलिस अधिकारी खुद ही फंस गए, जहां थानाध्यक्ष और एक दारोगा पर आरोप है कि उन्होंने जब्त किए गए सामान को जब्ती में दर्ज न करके खुद उसे गायब कर दिया। जब पूरे मामले की जांच की गई तो इनकी पोल खुल गई, तब वैशाली अधीक्षक ललित मोहन शर्मा ने लालगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार और दरोगा सुमन झा को निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 30 दिसंबर को लालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिलनपुर निवासी रामप्रीत

दुष्यंत कुमार गौतम ने ठोका दो करोड़ का मानहानि दावा, कांग्रेस व आप सहित नौ प्रतिवादियों के विरुद्ध दिल्ली हाई कोर्ट में दी याचिका

देहरादून । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने अपने खिलाफ इंटरनेट मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म पर लगाए गए आरोपों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि का दावा दायर किया है।याचिका में उन्होंने अभिनेत्री उर्मिला सनावर, पूर्व विधायक सुरेश राठौर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट आलोक शर्मा, एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर मोहित चौहान सहित कुल नौ प्रतिवादियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। याचिका में दुष्यंत कुमार गौतम की ओर से आरोप लगाया गया है कि प्रतिवादियों ने एक्स, मेटा प्लेटफार्म (फेसबुक/इंस्टाग्राम) और यूट्यूब के माध्यम से उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान प्रसारित किए हैं, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और छवि को काफी नुकसान पहुंचा है।इसी आधार पर वादी ने कुल नौ प्रतिवादियों से दो करोड़रुपये के हर्जाने की मांग की है। याचिका में यह भी प्रार्थना की गई है कि कोर्ट वादी के पक्ष में स्थायी निषेधाज्ञा जारी करें, जिससे प्रतिवादियों और उनके एजेंटों, प्रतिनिधियों, सहयोगियों, वारिसों एवं रिश्तेदारों को वादी के विरुद्ध किसी भी प्रकार के मानहानिकारक आरोपों के प्रकाशन व प्रसार से रोका जा सके। इसके अलावा उन्होंने

कोर्ट से यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि प्रतिवादी न केवल याचिका में विशेष रूप से सूचीबद्ध आपत्तिजनक लिंक हटाएं, बल्कि वादी या उसके अधिवक्ता की ओर से सूचित किए जाने पर उसी सामग्री के समान, मिरर, पुनः अपलोड किए गए, संपादित या अनुवादित सभी संस्करणों को भी संबंधित प्लेटफार्म से तत्काल हटाने के लिए बाध्य हों।भाजपा के राष्ट्रीय नेता दुष्यंत कुमार गौतम की ओर से डालनवाला कोतवाली में उर्मिला सनावर व अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। इससे पहले बीते 24 दिसंबर को पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ की ओर से भी दून के नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। आरती गौड़ की शिकायत के अनुसार, उर्मिला सनावर और पूर्व विधायक सुरेश राठौर की ओर से इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर उनके खिलाफ तथ्यविहीन, भ्रामक और अश्लील सामग्री लगातार पोस्ट की गई।

उन्होंने ने एक आडियो पोस्ट किया था, जिसमें उनके विरुद्ध महिला अस्मिता से जुड़े आपत्तिजनक शब्दों और गालियों का प्रयोग किया गया है।वहीं, आरती गौड़ ने पुलिस को यह भी बताया था कि उर्मिला सनावर के खिलाफ पहले से ही देहरादून के नेहरू कालोनी थाने, हरिद्वार के थाना रानीपुर और थाना बहादराबाद में अश्लील सामग्री पोस्ट करने और धार्मिक-जातीय उन्माद फैलाने से जुड़े मामले दर्ज हैं, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन हैं।

यूपी में ठंड का प्रकोप, लखनऊ में आठ जनवरी तक 8वीं तक के स्कूल बंद रखने का आदेश

लखनऊ, 07 जनवरी [एजेंसी]। मौसम विभाग के अगले कुछ दिनों तक शीतलहर और घने कोहरे के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने राजधानी के कक्षा आठ तक के सभी स्कूल आठ जनवरी तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। कक्षा नौ से 12 तक की कक्षाओं को दस से तीन बजे तक संचालित किया जा सकेगा। इस दौरान स्कूलों में ठंड से बचाव के पर्याप्त इंतजाम भी करने होंगे। इससे पहले पांच जनवरी तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश था। लेकिन लखनऊ में ठंड और पूर्वानुमान को देखते हुए डीएम विशाख जी ने आज यह आदेश जारी किया। आदेश में कहा है कि जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी सभी परिषदीय, आवसीय, सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएंगे।बता दें, पिछले करीब 10 दिनों से प्रदेशभर में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। सर्द पछुआ हवा से

दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। करीब 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण गलन बढ़ गया है।

हालांकि, सोमवार को राजधानी समेत आसपास के जिलों में धूप निकलने से अधिकतम पारा 18.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, लेकिन रात में ठिठुरन ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वरिष्ठ मौसम विभाग वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को प्रदेश के अधिकतर जिलों में धूप निकलने के आसार हैं, जिससे दिन के पारे में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है, पर रात के तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होंगे। अब कोहरे का असर भी कम होगा। देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर और बलरामपुर जिलों के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

अभी तो ट्रेलर है, मार्च के बाद भू-माफिया की बारी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा की चेतावनी

भागलपुर, 06 जनवरी [एजेंसी]। कई मामलों में सीओ द्वारा पेंच फंसाने का मामला सामने आया। सीओ के यहां तीन सुनवाई का डेट पड़ने और एक पक्ष के लोग के नहीं आने पर सीओ फैसला सुना सकते हैं, लेकिन यहां छह तिथि के बाद भी फैसला नहीं सुनाया गया है। उपमुख्यमंत्री ने मामले में तत्काल फैसला सुनाने का निर्देश दिया। रंगरा चौक अंचल के रुपेश कुमार ने कहा कि भू-माफिया मुझे अपनी जमीन पर खेती करने नहीं दे रहे हैं। सीओ काम नहीं कर रहे हैं। एक पक्ष के नहीं आने के बाद फैसला नहीं सुनाया जा रहा है। इससे नाराज उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिस्टम में कमजोरी है।उन्होंने सीओ से पूछा कि कब तक काम हो जाएगा। सीओ ने कहा कि एक सप्ताह में काम हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने नवगछिया एसपी भू-माफिया की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी को ऐसे लोगों के विरुद्ध सीसीए के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सीओ साहब नियत ठीक रखिए, सब ठीक हो जाएगा। लोगों से उन्होंने कहा कि अभी तो यह ट्रेलर है, मार्च के बाद भू-माफिया की बारी होगी।

सबौर के जगत कुमार सिंह ने सबौर थानाध्यक्ष पर आरोप लगाया कि उन्होंने दूसरे पक्ष से मिलकर मेरे उपर उससी-एसटी केस दर्ज करा दिया है। उपमुख्यमंत्री ने एसएसपी को निर्देश दिया कि थाना प्रभारी को हटाने की कार्रवाई कीजिए। झूठा केस करने वालों पर केस कीजिए और जेल भेजिए। ऐसे लोग समाज के कलंक हैं। बाथ के रहने वाले रामदेव मंडल ने कहा कि कुछ लोगों ने बथान के जला दिया और बाथ थानाध्यक्ष ने जबरन सारे सामान को हटा दिया।उन्होंने कहा कि मेरी 12 डीसमल जमीन है। अगर इसके अलावा गैर मजरूआ जमीन है तो ले लिया लाए, लेकिन ऐसी कार्रवाई और भी लोगों के साथ हो। गोराडीह अंचल के मंजर आलम ने जाली केवाला का ममला उठाया। उपमुख्यमंत्री ने दोषियों पर एफआईआर करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीओ से कहा कि कार्रवाई करने से आपका हाथ क्यों थर-थरा रहा है। उन्होंने एडीएम को मामले को देखने का निर्देश दिया। बिहपुर की अनिता देवी ने कहा कि हम निसहाय है और मेरा काम नहीं हो रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि निसहाय का सहाय हम बनेंगे।इससे नाराज उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिस्टम में कमजोरी है।उन्होंने सीओ से पूछा कि कब तक काम हो जाएगा। सीओ ने कहा कि एक सप्ताह में काम हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने नवगछिया एसपी भू-माफिया की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी को ऐसे लोगों के विरुद्ध सीसीए के तहत कार्रवाई

केंद्र सरकार ने 24 नए चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी, ड्रोन से लेकर सैटेलाइट तक में होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली ,07 जनवरी (एजें सी)। केंद्र सरकार ने डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (डीएलआई) के तहत भारतीय सेमीकंडक्टर यानी चिप बनाने वाले उद्योग को मजबूत करने के लिए 24 नए चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। ये प्रोजेक्ट्स वीडियो निगरानी, ड्रोन का पता लगाने, एनर्जी मीटर, माइक्रोप्रोसेसर, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, ब्रॉडबैंड और आईओटी सिस्टम-ऑन-चिप्स (एसओसी) जैसे क्षेत्रों में हैं। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की गई है।

बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, 95 कंपनियों को उद्योग स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स तक पहुंच दी गई है। इससे चिप डिजाइन स्टार्टअप्स का खर्च कम होगा और उन्हें बेहतर उपकरण मिलेंगे।

सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन चिप बनाने की प्रक्रिया में सबसे ज्यादा मूल्य जोड़ने वाला हिस्सा है। यह आपूर्ति श्रृंखला में 50 प्रतिशत और फैबलेस सेगमेंट के माध्यम से वैश्विक सेमीकंडक्टर बिक्री में 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है।

बयान में कहा गया कि डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) समर्थित योजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। स्कीम के तहत अब तक 16 टेप-आउट, 6 एएसआईसी चिप्स, 10 पेटेंट और 1,000 से ज्यादा इंजीनियर शामिल हो चुके हैं। साथ ही निजी निवेश भी तीन गुना तक बढ़ा है।

डीएलआई स्कीम को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय चला रहा है। इस योजना का बजट 76,000 करोड़ रुपए है। यह योजना सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले निर्माण के साथ-साथ चिप डिजाइन सिस्टम को भी समर्थन देती है।

डीएलआई स्कीम स्टार्टअप्स और एमएसएमई को डिजाइन से लेकर प्रोडक्ट बनाने तक पूरी मदद देती है। योजना का उद्देश्य भारत के घरेलू सेमीकंडक्टर डिजाइन उद्योग में मौजूद कमियों को दूर करना है। इसका लक्ष्य भारतीय सेमीकंडक्टर उद्योग को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है।

इसके अलावा, चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) प्रोग्राम के जरिए देशभर की शिक्षण संस्थाओं में 85,000 इंजीनियर, मास्टर्स और पीएचडी स्तर के छात्र तैयार किए जा रहे हैं, जो चिप डिजाइन में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।

राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल बोले- संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर उत्तराखंड का माहौल खराब कर रही कांग्रेस

देहरादून, 06 जनवरी [एजेंसी]। राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने अंकिता हत्याकांड को लेकर कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर कांग्रेस गैरजिम्मेदाराना राजनीति कर प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दोहराया कि ठोस साक्ष्यों के आधार पर सरकार किसी भी जांच के लिए तैयार है। उन्होंने बीते दिवस विरोध प्रदर्शन के नाम पर बैनर फाड़ने और अभद्रता के घटनाक्रम की आलोचना की। साथ ही इंसाफ के नाम पर जारी आंदोलन के अराजक तत्वों के हाथ में जाने की आशंका जताई।प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में बंसल ने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों और राजनीतिक महत्वाकांक्षा वाले लोग गैरजिम्मेदाराना राजनीति कर रहे हैं। अब तक के घटनाक्रम और बीते दिवस हुई तोड़फोड, बैनर फाड़ने और अभद्रता इस बात का इशारा करती है कि प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा

सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि उसे सीबीआई या किसी भी अन्य जांच से गुरेज नहीं है। लेकिन, ठोस सबूत और तार्किक तथ्य सामने आने ही चाहिए या फिर जो आरोप लगा रहे हैं, वे इसकी प्रमाणिकता जांच एजेंसी के सम्मुख रखें।उन्होंने कहा कि यह मामला अपीलीय अदालतत में है और वहां भी नए सिरे से जांच करवाने के लिए कोर्ट के सामने इन साक्ष्यों की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने प्रश्न उठाते हुए कहा कि जिन तमाम बातों को कांग्रेस समेत अन्य पक्ष उठा रहे हैं, उन सब पर न्यायालय में लंबी चर्चा हुई है। इसके आधार पर दोषियों को उम्रकैद हुई है।उन्होंने कहा कि जैसे ही अंकिता हत्याकांड का दुखद घटनाक्रम सामने आया तो, तत्काल कार्रवाई कर दोषियों को पकड़ा गया। महिला डीआईजी के नेतृत्व में एसआईटी गठित हुई, जिसने सभी पुख्ता साक्ष्यों को जुटाकर अदालत में प्रस्तुत किया। न्यायालय में जिरह के दौरान भी वीआईपी, घटनास्थल से छेड़छाड़ जैसे तमाम विषय आए, जिस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसकी संभावना नजर नहीं आती है।जांच को सीबीआइ से कराने के लिए भी लोग सुप्रीम कोर्ट तक गए, लेकिन न्यायालय ने किसी अतिरिक्त जांच से इन्कार किया। ऐसे में जब लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय ने निर्णय दे दिया और अब उसकी अपील उच्च न्यायालय में लंबित है तो फिर से उन्हीं तथ्यों को क्यों उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्ष अपनी 2027 के विधानसभा चुनाव की संभावनाएं तलाश रहा है। ऐसा करने के प्रयास में वे न केवल प्रदेश की छवि और माहौल खराब कर रहे है,

खतरे में बाघ:अचानकमार टाइगर रिजर्व में राइफल लेकर बेखौफ कोर एरिया के अंदर घूम रहे रसूखदार

बिलासपुर,07 जनवरी (एजेंसी)। रसूखदार बंदूकधारियों से अचानकमार टाइगर रिजर्व के बाघ खतरे में हैं। रिजर्व प्रबंधन इन्हें निजी वाहन और राइफल के साथ जाने की खुली छूट दे रहा है। बीते दिनों लोरमी और आसपास के ऐसे ही कुछ रसूखदार युवक अजीत वैष्णव, अनिकेत और विक्रांत वैष्णव जंगल के भीतर करीब 14 किमी तक राइफल लेकर घूमते रहे और बेखौफ फायरिंग भी की ।युवकों ने रसूख और वन विभाग की छूट का बाकायदा वीडियो बनाया और पोस्ट किया। वीडियो सामने आने के बाद मजबूरी में विभाग के अफसरों को कार्रवाई करनी पड़ी, पर उन्हें बचाने की कोशिश जारी है। वीडियो में युवकों के हावभाव बता रहे हैं कि उन्होंने जंगल के अंदर ऐसा पहली बार नहीं किया है।

बार-बार वे इसी रुतबे के साथ जंगल में घूमते रहे हैं। सोशल मीडिया में जारी वीडियो में एटीआर के कोर जोन में अजीत वैष्णव, अनिकेत और विक्रांत वैष्णव की गाड़ी जब जमुनाही बैरियर पहुंची तो वहां पर गार्ड ने बिना कुछ पूछे बैरियर ऊपर कर रास्ता खोल दिया। जब इनकी गाड़ी सुरही पहुंची तो वहां पहुंचते ही प्रवेश गेट को वन विभाग के कर्मचारी ने इतनी तेजी से खोला जैसे कोई बड़ा विभागीय अधिकारी या मंत्री पहुंचा हो।

गाड़ी तेजी से जंगल की तरफ बढ़ गई। दोनों ही जगहों पर न तो उन्हें किसी ने रोका और न ही उनके वाहन की जांच करने की कोशिश किसी ने की। कोर एरिया में युवक जकड़बांधा, सुरही, भुरकुंड होते हुए कंचनपुर बैरियर तक पहुंचे और वहां पर उन्होंने स्वयं बैरियर उठाया और बाहर निकल गए। वायरल वीडियो में सबकुछ स्पष्ट है। जमुनाही से कंचनपुर की दूरी लगभग 14 से 16 किलोमीटर है। बताया जा रहा है कि इस बैरियर को पार करने में अधिकतम एक घंटे लगते हैं, लेकिन युवक 3-4 घंटे से भी ज्यादा समय अंदर रहे। इस दौरान उन्होंने जगह-जगह फायरिंग की, जंगल के अंदर आग जलाकर पूरा मनोरंजन किया।

बिना हेलमेट बाइक चलाने पर पुलिस जवानों का कटा 500-500 रुपए का चालान

यातायात नियम तोड़ने पर पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई

दुर्ग-भिलाई 07 जनवरी (एजेंसी)। सड़कों पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों का भी चालान काटा गया। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी नियम के दायरे में लाए गए और उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान बिना हेलमेट मिले पुलिसकर्मी

एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल ने पहले ही सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए थे कि वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है और यातायात नियमों का पालन करना होगा।

एसएसपी के 4 जनवरी को निरीक्षण के दौरान कुल 9 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाते पाए गए। इनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान किया गया और प्रत्येक से 500-500 रुपए जुर्माना वसूला गया।

साथ ही, सभी को समझाइश भी दी गई और भविष्य में नियम पालन करने की चेतावनी दी गई।

पुलिस ने उन्हें यह भी कहा कि वे अपने मित्र और परिजनों को हेलमेट और सीट बेल्ट की अहमियत बताएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को सुरक्षित रहने के लिए उन्हें जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

दुर्ग जिले में पेट्रोल पंपों पर आदेश का असर खत्म

दुर्ग जिले में जिला और पुलिस प्रशासन की ओर से हेलमेट के बिना पेट्रोल देने पर रोक लगाई गई थी। नियमों के उल्लंघन पर कुछ पेट्रोल पंपों पर कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन जिले में अब इस आदेश का पालन पेट्रोल पंप संचालक नहीं कर रहे हैं। ज्यादातर पेट्रोल पंप पर आसानी से बिना हेलमेट पेट्रोल दिए जा रहे हैं।

इन पुलिस जवानों का कटा चालान

बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर जिन पुलिसकर्मियों के चालान काटे गए उनमें रक्षित केंद्र दुर्ग के प्रधान आरक्षक सुशील प्रजापति (चालक क्रमांक 1243), थाना अंडा के प्रधान आरक्षक भागवत प्रसाद (क्रमांक 1473), थाना रानीरातई के आरक्षक सुनील साहू (क्रमांक 885), थाना दुर्ग के आरक्षक कमलेश देशमुख (क्रमांक 1645), थाना जामुल के आरक्षक पंकज पांडेय (क्रमांक 805), थाना खुर्सीपार के आरक्षक रवि सोनी (क्रमांक 205), थाना भिलाई नगर की महिला आरक्षक संगीता कोसले (क्रमांक 1692), थाना छावनी की महिला आरक्षक एलिषा (क्रमांक 1599) और महिला थाना दुर्ग की महिला आरक्षक आशा ठाकुर (क्रमांक 1313) शामिल हैं।

ट्रैफिक नियम का पालन करने वालों को बांटा फूल

वहीं, सोमवार को दुर्ग, भिलाई और कुम्हारी क्षेत्र में यातायात पुलिस ने उन वाहन चालकों को सम्मानित किया जो दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनते और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाते पाए गए। इन चालकों को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया।

कांकेर मेला से लौटते युवक की बस से भिड़ंतः रायपुर में इलाज के दौरान मौत, दोस्त की बाइक से लौट रहा था

कांकेर,07 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में रविवार रात मेला देखकर लौट रहे एक युवक की बस से भिड़ंत हो गई। इस हादसे में युवक की रायपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना माकड़ी के पास हुई ।मृतक की पहचान तेलगरा निवासी 19 वर्षीय विमल साहू के रूप में हुई है। विमल अपने चाचा के यहां कांकेर मेला देखने गया था। देर रात वह अपने दोस्त की बाइक (04 1116) से घर लौट रहा था ।नया माकड़ी ढाबा के पास मनीष ट्रेवल्स की बस (07 7810) अचानक रुक गई। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चला रहा विमल बस को नियंत्रित नहीं कर पाया और बस से जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि विमल के पैर टूट गए और सिर में गंभीर चोटें आईं। बस में सवार लोगों की सूचना पर हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद विमल को हायर सेंटर रायपुर रेफर किया गया। रायपुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस मामले में जांच में जुट गई है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

रायपुर,08 जनवरी (एजेंसी)। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पंडरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक रेलवे ट्रैक के पास मौजूद था, तभी तेज रफ्तार से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मालगाड़ी को कुछ देर के लिए रोका गया, वहीं घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा अचानक हुआ और युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला ।चना मिलने पर पंडरी थाना स्टाफ तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया और शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ-साथ पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ भी की, ताकि हादसे के कारणों का स्पष्ट पता लगाया जा सके ।मामले में जानकारी देते हुए पंडरी थाना प्रभारी स्वराज त्रिपाठी ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना भेज रही है और गुमशुदगी के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं ।थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक की मौत मालगाड़ी की चपेट में आने से होना प्रतीत हो रही है। हालांकि यह हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके ।घटना के बाद रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में अक्सर लोग रेलवे ट्रैक पार करते हैं, जिससे इस तरह के हादसों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके ।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और मृतक की पहचान होने के बाद उसके परिजनों को सूचना दी जाएगी। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक के आसपास सतर्कता और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के पूर्व अपर संचालक बीपी दुबे का निधन

रायपुर, 07जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के प्रथम अपर संचालक रहे श्री बी.पी. दुबे का रविवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में निधन हो गया।

एटीएम को उखाड़ कर पैसे लूटने का था प्लान, लेकिन पहुंच गई पुलिस

जशपुर.07 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस की मुस्तैदी ने बड़ी चोरी की वारदात को होने से पहले ही नाकाम कर दिया. कुनकुरी के नेशनल हाइवे-43 पर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को निशाना बनाने पहुंचे नकाबपोश बदमाशों की पूरी प्लानिंग उस वक्त धरी रह गई, जब गश्त पर निकली पुलिस टीम अचानक मौके पर पहुंच गई ।जानकारी के मुताबिक, कुनकुरी के नेशनल हाइवे-43 स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को पीकअप की मदद से उखाड़ दिया. उन्होंने सीसीटीवी कैसरे से बचने लिए उसपर ब्लैक स्प्रे कर दिया. इस बीच गश्त पर निकली पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई. पुलिस को देख नकाबपोश चोरों में हड़कंप मच गया और वह भागने लगे. हालांकि उनके हौसंले बुलंद थे कि पुलिस टीम की टीम पर पथराव कर दिया. राहत की बात रही कि किसी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई.पुलिस की तत्परता से बदमाश एटीएम से कोई भी रकम ले जाने में सफल नहीं हो सके. वह पिकअप वाहन को आधे रास्ते में छोड़कर फरार हो गए. पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में नाकाबंदी कर जांच शुरू कर दी है.जांच में जुटी पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और गश्त बढ़ा दी गई है.

रायपुर में गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला, व्हाट्सऐप ग्रुप विवाद पर सोसायटी में मारपीट

रायपुर,07 जनवरी (एजेंसी)। राजधानी रायपुर से मारपीट और खुलेआम गुंडागर्दी का गंभीर मामला सामने आया है। मुजगहन थाना क्षेत्र में स्थित एक रिहायशी सोसायटी में व्हाट्सऐप ग्रुप में किए गए मैसेज को लेकर उपजा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि राहुल जैन ने अपने कई साथियों के साथ मिलकर सोसायटी के रहवासियों पर हमला कर दिया। इस दौरान न सिर्फ पुरुषों के साथ मारपीट की गई, बल्कि महिलाओं के साथ भी हाथापाई और बदसलूकी का आरोप लगा है। घटना के दौरान सोसायटी के गार्ड और सुरक्षा व्यवस्था को भी निशाना बनाया गया। हमलावरों ने गार्ड रूम में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद सामान को नुकसान पहुंचाया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मारपीट, धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल साफ देखा जा सकता है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोसायटी के व्हाट्सऐप ग्रुप में किसी मुद्दे को लेकर मैसेज किए गए थे, जिस पर राहुल जैन और उसके साथियों ने आपत्ति जताई। पहले कहासुनी हुई और फिर यह विवाद अचानक हिंसा में बदल गया। आरोप है कि राहुल जैन अपने साथ कई युवकों को लेकर सोसायटी में पहुंचा और रहवासियों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब कुछ महिलाओं ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद सोसायटी के रहवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि राजधानी जैसे शहर में इस तरह की गुंडागर्दी कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

शराब तस्करी करने वाले 2 युवक गिरफ्तार:दूसरे राज्यों से लाकर दुर्ग-भिलाई में खपा रहे थे, स्कूटी पर शराब बेचते पकड़ाए

दुर्ग-भिलाई,07 जनवरी(एजेंसी)। दुर्ग के पद्मनाभपुर पुलिस ने दूसरे राज्यों से अवैध रूप से शराब लाकर शहर में संगठित तरीके से बिक्री करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बिना होलोग्राम लगी भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब, स्कूटी और मोबाइल सहित कुल 78 हजार 200 रुपए की सामग्री जब्त की गई है ।मामले में तीन आरोपी फरार चल रहे हैं। जिसकी तलाश की जा रही है। दरअसल, 4 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली थी कि दो युवक स्कूटी से शराब लेकर बिक्री के लिए बोरसीभाठा रेलवे फाटक की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर स्कूटी सवार युवकों को पकड़ा ।आरोपियों के पास से बरामद हुई शराब, स्कूटी और मोबाइलपूछताछ में दोनों ने अपना नाम ग्राम धनोरा निवासी संतोष गिरी (47) और सेक्टर-5 भिलाई नगर राज नायक (19) बताया। तलाशी के दौरान आरोपी राज नायक के कब्जे से स्कूटी में रखी प्लास्टिक बोरी से 10 बोतल

रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की (7.50 बल्क लीटर, कीमत 8,400 रुपए), एक सिल्वर रंग की एक्टिवा (कीमत 40,000 रुपए) और एक एंड्रॉयड मोबाइल (कीमत 15,000 रुपए) बरामद किया गया ।दूसरे राज्यों से लाकर बेचते थे शराबवहीं, आरोपी संतोष गिरी के पास से खाकी रंग के कार्टन में भरे 48 पौवा रॉयल ब्लू माल्ट व्हिस्की (8.64 बल्क लीटर, कीमत 4,800 रुपए) और सैमसंग कंपनी का मोबाइल (कीमत 10,000 रुपए) जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने अन्य तीन साथियों के साथ मिलकर दूसरे राज्यों से अवैध रूप से शराब लाकर दुर्ग-भिलाई शहर में बेचते थे।

न्यायिक रिमांड पर भेजा जेलइस पूरे मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के साथ धारा 111(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल भेजा गया है। साथ ही पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

अवैध खनन एवं परिवहन पर कड़ी कार्रवाई, 31 वाहन जप्त

रायगढ़,7 जनवरी (एजेंसी)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला खनिज अमला रायगढ़ द्वारा विगत एक सप्ताह के दौरान सघन अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान अवैध परिवहन के प्रकरणों में खनिज रेत के 27 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा, निम्न श्रेणी चूनापत्थर के 2 हाईवा तथा बोल्डर परिवहन में संलिप्त 1 ट्रैक्टर को जप्त किया गया। इस प्रकार कुल 31 वाहनों को जप्त कर कलेक्ट्रेट परिसर, थाना खरसिया एवं रैरूमाचौकी में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज मुरूम एवं मिट्टी के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की लगातार प्राप्त शिकायतों पर कलेक्टर के निर्देशानुसार 02 जांच की गई।

बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर चाचा की मौत, भतीजा घायल

देवरी,07 जनवरी (एजेंसी)। जयपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे-45 पर स्टेट बड़गवां मोड़ के पास रविवार रात करीब 8 बजे बोलेरो ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चाचा पारस ककोडिया की मौके पर ही मौत हो गई। भतीजा हेमंत ककोडिया गंभीर रूप से घायल हो गया। हेमंत लखनादौन का रहने वाला है। उम्र 24 साल है। पिता का नाम हीरालाल ककोडिया है।

वह अपने चाचा पारस ककोडिया के साथ बाइक से बरेली जा रहा था। पारस ककोडिया रामलाल ककोडिया के बेटे थे। दोनों पाइप फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। हादसे में हेमंत के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई

है। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग गया।

विद्युत करंट लगाकर जंगली सुअर का शिकार

बलौदाबाजार, 05जनवरी (एजेंसी)। वन्यजीव संरक्षण के तहत वन विभाग ने अवैध शिकार के एक गंभीर मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जी.आई. तार में विद्युत प्रवाह कर जंगली सुअर का शिकार करने के आरोप में दोनों को न्यायिक रिमांड पर जिला जेल बलौदाबाजार भेजा गया है।

वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन एवं उप वनमण्डलाधिकारी कसडोल अनिल वर्मा के नेतृत्व में 31 दिसम्बर 2025 की रात सोनाखान परिक्षेत्र में गश्त के दौरान अवैध हुकिंग किए जाने का मामला सामने आया।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

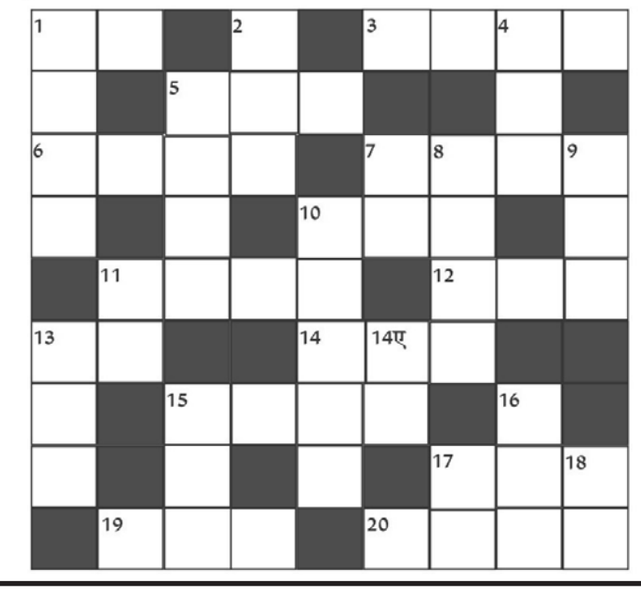

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

बांग्लादेश में जो हो रहा वो गलत, विवाद पर हरभजन का आया बयान, टीम नहीं भेजने पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। हरभजन का कहना है कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वो गलत है।भारत और बांग्लादेश के बीच मुस्तफिजुर रहमान को लेकर विवाद बढ़ गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) मुस्तफिजुर को आईपीएल से बाहर करने पर इस कदर बौखला गया है कि उसने टी20 विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करने से भी इनकार कर दिया है। बांग्लादेश अपने मैच भारत में खेलेगा या नहीं इसका फैसला आईसीसी को करना है, लेकिन पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। बीसीबी ने आईसीसी से कहा है कि वह टी20 विश्व कप में अपने मैच श्रीलंका में खेलना चाहता है। बीसीबी ने ये फैसला तब लिया है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने कहा था। केकेआर ने मुस्तफिजुर को आईपीएल नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन बांग्लादेशी खिलाड़ी को लेने पर केकेआर और उसके मालिक शाहरुख खान पर निशाना साधा जा रहा था। इसके बाद बीसीसीआई ने मामले में हस्तक्षेप किया था।

जो रूट ने जड़ दिया एक और टेस्ट शतक, रिकी पोंटिंग की बराबरी पर पहुंचे, सचिन के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ इतने शतक दूर

सिडनी (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज 2025-26 के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे इस मुकाबले के दूसरे दिन रूट ने शतकीय पारी खेलते हुए इंग्लैंड की पहली पारी को मजबूती प्रदान की।जो रूट ने 15 चौकों की मदद से 242 गेंदों पर 160 रन बनाए। उन्होंने 146 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनके टेस्ट करियर का 41वां शतक रहा। इस पारी के साथ ही रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है, जिन्होंने अपने करियर में 41 टेस्ट शतक लगाए थे। इस सूची में अब रूट और पोंटिंग से आगे केवल जैक्स कैलिस (45 शतक) और सचिन तेंदुलकर (51 शतक) ही हैं। मौजूदा दौर के सक्रिय बल्लेबाजों में रूट सबसे आगे नजर आ रहे हैं। उनके बाद स्टीव स्मिथ (36 शतक) और केन विलियमसन (33 शतक) का नंबर आता है, जो रूट से काफी पीछे हैं।

मैच के पहले दिन खेल जल्दी समाप्त होने के कारण जो रूट 72 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। दूसरे दिन उन्होंने असमान उछाल और कड़ी गेंदबाजी के बावजूद पूरे धैर्य के साथ अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान दूसरे छोर पर हैरी ब्रूक (84), बेन स्टोक्स (0) और जेमी स्मिथ (46) के विकेट गिरे, लेकिन रूट ने संयम बनाए रखा और दबाव में भी रन बनाते रहे।यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर जो रूट का दूसरा टेस्ट शतक रहा और खास बात यह है कि दोनों शतक उन्होंने मौजूदा एशेज सीरीज में ही लगाए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 14 टेस्ट मैचों में वह शतक नहीं लगा सके थे। वर्ष 2021 से अब तक रूट टेस्ट क्रिकेट में 24 शतक जड़ चुके हैं, जो उनकी निरंतरता और क्लास को दर्शाता है।

पांच मैचों की एशेज सीरीज में इंग्लैंड फिलहाल 3-1 से पीछे है, लेकिन सिडनी टेस्ट में जीत दर्ज करने पर टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिए 12 अहम अंक मिल सकते हैं। वर्तमान में इंग्लैंड नौ टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर बना हुआ है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर बांग्लादेश का भारत आने से इनकार, बताया ये बड़ा कारण

नई दिल्ली (एजेंसी) । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 7 फरवरी से प्रस्तावित टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया है। इस संबंध में बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को पत्र लिखकर अपने सभी मैचों को भारत के बजाय श्रीलंका में आयोजित कराने की मांग की है।बीसीबी के निदेशक खालिद मसूद पायलट ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि भारत एक खिलाड़ी की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, तो पूरी टीम की सुरक्षा पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इन्हीं परिस्थितियों के कारण बांग्लादेश की टीम भारत में खेलने नहीं जाएगी।आईपीएल विवाद से बढ़ा तनावइस फैसले की पृष्ठभूमि में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच हालिया विवाद को अहम माना जा रहा है। विवाद तब शुरू हुआ, जब बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (्यक्र) को बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया।केकेआर ने मुस्तफिजुर रहमान को हाल ही में हुई आईपीएल नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित हमलों के विरोध के बीच रहमान को टीम में शामिल किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई की ओर से यह कदम उठाया गया।बीसीबी का कहना है कि मौजूदा हालात में खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसी को ध्यान में रखते हुए भारत में खेलने से इंकार किया गया है। अब इस पूरे मामले पर आईसीसी के निर्णय का इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि यह फैसला टूर्नामेंट के आयोजन और कार्यक्रम पर असर डाल सकता है। खेल जगत में इस घटनाक्रम को क्रिकेट से आगे बढ़कर माना जा रहा है,

नीता अंबानी ने किया विश्व विजेताओं को सम्मानित, रोहित-हरमनप्रीत जैसे दिग्गज रहे मौजूद

मुंबई रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने सोमवार को भारत के विश्व कप विजेताओं को सम्मानित किया।

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने सोमवार को भारत के विश्व कप विजेताओं को सम्मानित किया। मुंबई में आयोजित इस भव्य समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका टीसी और पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस अवसर पर खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की गई और उनके योगदान को देश के लिए गर्व का विषय बताया गया।

रोहित के नेतृत्व में भारत बना विजेता, सूर्या ने दिलाया एशिया कप का खिताबसाल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार रहा। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 12 साल के लंबे इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया था। इससे पहले टीम इंडिया ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। भारत ने 2025 में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी।आईसीसी महिला वनडे विश्व कप फाइनल: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका2025 महिला क्रिकेट के लिए भी ऐतिहासिक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने वो कर दिखाया, जो वर्षों से सपना था। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत ने पहला आईसीसी महिला विश्व कप जीत लिया। भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया और बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा आत्मविश्वास के साथ किया। जैसे ही जीत का रन बना, मैदान से लेकर देश की सड़कों तक जश्न फैल गया। यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं, बल्कि महिला खेलों के आत्मविश्वास और सम्मान की जीत थी।भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम बनी पहली टी20 विश्व चैंपियन भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने इतिहास रचते हुए पहले टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। कोलंबो में खेले गए फाइनल में भारत ने नेपाल को सात विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम पांच विकेट पर 114 रन ही बना सकी। जवाब में भारतीय टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर आराम से लक्ष्य हासिल किया और इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की पहली चैंपियन बनी।

नोवाक जोकोविच का पीटीपीए से इस्तीफा, कहा- संगठन के साथ अब मेरे विचार और दृष्टिकोण मेल नहीं खाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्बियाई के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह से दूरी बना ली है। इस संस्था की स्थापना उन्होंने ही की थी। जोकोविच का कहना है कि संगठन में पारदर्शिता और संचालन को लेकर लगातार समस्याएं थीं।जोकोविच और कनाडाई टेनिस खिलाड़ी वासेक पोस्पिसिल ने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन (पीटीपीए) की स्थापना एक नॉन-प्रॉफिट कॉर्पोरेशन के तौर पर की थी। ये प्रोफेशनल टेनिस के भविष्य को आकार देने में खिलाड़ियों की एक एकजुट, स्वतंत्र आवाज को सुनिश्चित करने के लिए की गई थी।जोकोविच ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, काफी सोच-विचार के बाद, मैंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह से अलग होने का फैसला किया है। यह फैसला पारदर्शिता, गवर्नेंस और जिस तरह से मेरी छवि को पेश किया गया है, उसे लेकर लगातार चिंताओं के बाद लिया गया है।पोस्ट में लिखा था, मुझे उस विजन पर गर्व है जो मैंने और वासेक ने पीटीपीए की स्थापना करते समय साझा किया था, जिससे खिलाड़ियों को एक मजबूत, स्वतंत्र आवाज मिली - लेकिन यह साफ हो गया है कि मेरे मूल्य और दृष्टिकोण अब संगठन की मौजूदा दिशा से मेल नहीं खाते हैं।उन्होंने साफ किया कि अब वे अपने खेल, परिवार और टेनिस के विकास में अपने सिद्धांतों के अनुसार योगदान देने पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, मैं अपने टेनिस, अपने परिवार और खेल में ऐसे तरीकों से योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखूंगा जो मेरे सिद्धांतों और ईमानदारी को दर्शाते हैं। मैं खिलाड़ियों और इसमें शामिल लोगों को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन मेरे लिए, यह अध्याय अब बंद हो गया है।मार्च 2025 में पीटीपीए और कई खिलाड़ियों ने एटीपी, डब्ल्यूटीए ने खारिज कर दिया।

व्यापार

भारत के लिए ऐतिहासिक साल होगा 2026, चार प्लांट्स में शुरू होगा कमर्शियल चिप प्रोडक्शन

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसी) । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2026 में भारत में चार सेमीकंडक्टर कंपनियां व्यावसायिक उत्पादन शुरू करेंगी। माइक्रॉन, सीजी पावर, केन्स टेक्नोलॉजी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की इकाइयों से चिप निर्माण को बल मिलेगा। इससे भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और मजबूत होगी।

भारत के लिए वर्ष 2026 तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होने जा रहा है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को घोषणा की कि देश में चार सेमीकंडक्टर प्लांट्स इस साल अपना कमर्शियल प्रोडक्शन (व्यावसायिक उत्पादन) शुरू कर देंगे। यह कदम महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की एक बड़ी छलांग है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, माइक्रोन, सीजी पावर, कायन्स टेक्नोलॉजी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स 2026 में चिप का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हैं।

उत्पादन की समयसीमा को स्पष्ट करते हुए मंत्री ने बताया कि सीजी पावर और कायन्स टेक्नोलॉजी, जिन्होंने पिछले साल ही पायलट प्रोडक्शन शुरू कर दिया था, सबसे पहले कमर्शियल ऑपरेशन्स में ट्रांज़िशन करेंगी। इसके अलावा, अमेरिकी कंपनी माइक्रोन की फैसिलिटी में भी हाल ही में पायलट प्रोडक्शन शुरू हो चुका है और वह भी जल्द ही व्यावसायिक उत्पादन की ओर बढ़ेगी। टाटा

इलेक्ट्रॉनिक्स के असम प्लांट को लेकर उन्होंने जानकारी दी कि वहां 2026 के मध्य तक पायलट प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है और साल के अंत तक इसे कमर्शियल मैन्युफैक्चरिंग में बदल दिया जाएगा।

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून 2023 में साणंद में पहली सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी मिलने के बाद से अब तक कुल 10 सेमीकंडक्टर निर्माण परियोजनाओं को हरी झंडी दी जा चुकी है। इन परियोजनाओं के तहत गुजरात, असम, उत्तर प्रदेश, पंजाब, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संचयी निवेश किया जा रहा है। वैष्णव ने यह भी रेखांकित किया कि भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में ताइवान, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे प्रमुख सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों की रुचि अत्यधिक और विशाल बनी हुई है।

डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव 2.0 योजना के पुनर्गठन पर बात करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि करदाताओं के पैसे का उपयोग दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। नई व्यवस्था के तहत सरकार शुरुआती डिजाइन चरणों का पूरा समर्थन करेगी। आगे की फंडिंग वेंचर कैपिटल निवेश के अनुपात में होगी, जो वैश्विक स्तर पर अपनाया जाने वाला मॉडल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल सरकारी फंड लेकर प्रोजेक्ट बंद न हो जाएं, बल्कि बाजार की मांग के आधार पर आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की डिजाइन क्षमताएं काफी मजबूत हुई हैं।

अब कंपनियां उन्नत 2-नैनोमीटर (2एनएम) चिप डिजाइन पर काम कर रही हैं, जो पहले 5-7 नैनोमीटर तक सीमित थीं। सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक की रीढ़ हैं, जो स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, संचार, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे आवश्यक क्षेत्रों को शक्ति प्रदान करते हैं। डिजिटलीकरण और ऑटोमेशन की ओर बढ़ती दुनिया में, भारत में चिप निर्माण की शुरुआत न केवल आर्थिक सुरक्षा बल्कि रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए भी निर्णायक साबित होगी।

'गिग मॉडल की असली ताकत है लचीलापन', बोले दीपिंदर गोयल; 2025 में डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई 10.9 बढ़ी

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसी) । जोमैटो के डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कंपनी के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने गिग मॉडल का मजबूती से बचाव किया है। उन्होंने बताया कि 2025 में जोमैटो डिलीवरी पार्टनर्स की औसत प्रति घंटे की कमाई 10.9 बढ़कर 102 रुपये हो गई है, जो 2024 में 92 रुपये थी। दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए आंकड़ों में कहा कि अगर कोई डिलीवरी पार्टनर दिन में 10 घंटे और महीने में 26 दिन काम करता है, तो उसकी कुल मासिक कमाई करीब 26,500 रुपये होती है। ईंधन और रखरखाव जैसे खर्च निकालने के बाद नेट आय लगभग 21,000 रुपये बैठती है। यह गणना लॉग-इन समय पर आधारित है, जिसमें इंतजार का समय भी शामिल है।गोयल ने साफ किया कि जोमैटो का गिग मॉडल फुल-टाइम नौकरी का विकल्प नहीं, बल्कि लचीला और अतिरिक्त आय का साधन है। 2025 में एक औसत डिलीवरी पार्टनर ने 38 दिन काम किया, जबकि केवल 2.3% पार्टनर्स ने 250 दिन से ज्यादा काम किया। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स से पीएफ या तय सैलरी जैसी फुल-टाइम सुविधाओं की मांग इस मॉडल की मूल भावना के खिलाफ है।

गोयल ने लिखा, 'राइडर्स के ऐप में कोई टाइमर नहीं होता और न ही उन्हें यह पता होता है कि ग्राहक को डिलीवरी का क्या समय बताया गया है। हम राइडर्स को तेज गाड़ी चलाने के लिए नहीं कहते।' इस प्रक्रिया की गणित को समझाते हुए उन्होंने लिखा, 'ब्लिंकइट पर ऑर्डर देने के बाद आपका सामान 2.5 मिनट के भीतर पैक कर दिया जाता है। फिर डिलीवरी करने वाला लगभग 8 मिनट में औसतन 2 किलोमीटर से कम की दूरी तय करता है। यानी उसकी औसत गति 16 किमी प्रति घंटा होती है।'सुरक्षा के मुद्दे पर गोयल ने कहा कि सभी डिलीवरी पार्टनर्स का मेडिकल और लाइफ इंश्योरेंस होता है। गोयल के मुताबिक, जोमैटो और ब्लिंकिट ने 2025 में 100 रुपये से ज्यादा खर्च किए।

'ग्रोक से अवैध कंटेंट बनाने वालों पर होगी कार्रवाई', एआई से जुड़े विवाद पर एलन मस्क

नई दिल्ली ,07 जनवरी (एजें सी)। ग्रोक एआई के विवादित कंटेंट बनाने के मामले में माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने स्पष्ट किया है कि जो यूजर एक्स के एआई टूल ग्रोक का इस्तेमाल करके अवैध, अश्लील या गैरकानूनी कंटेंट बनाएंगे, उनके खिलाफ वही कार्रवाई होगी जो ऐसा कंटेंट अपलोड करने वालों पर होती है।माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने साफ कहा है कि जो लोग एक्स के एआई टूल ग्रोक का इस्तेमाल करके अवैध, अश्लील या गैरकानूनी कंटेंट बनाएंगे, उनके खिलाफ वही कार्रवाई होगी, जो ऐसा कंटेंट अपलोड करने वालों पर होती है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को निर्देश दिया है कि वह ग्रोक से बने सभी अश्लील, आपत्तिजनक और गैरकानूनी कंटेंट को तुरंत हटाए। ऐसा न करने पर कानून के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में कहा कि ग्रोक को दोष देना ठीक नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई पेन अपने आप गलत बात नहीं लिखता, वैसे ही ग्रोक भी अपने आप गलत कंटेंट नहीं बनाता। यह पूरी तरह यूजर पर निर्भर करता है कि वह क्या इनपुट देता है। इसलिए जिम्मेदारी यूजर की ही होगी।मंत्रालय ने एक्स को 72 घंटे के भीतर यह बताने को कहा है कि उसने अब तक क्या कार्रवाई की है। मंत्रालय का कहना है कि उसे कई बार शिकायतें मिली हैं कि एक्स पर कुछ कंटेंट कानून के मुताबिक शालीनता और मर्यादा के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। यह मामला तब और गंभीर हुआ, जब राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर महिलाओं की फर्जी और अश्लील तस्वीरें बनाने के लिए ग्रोक के दुरुपयोग पर चिंता जताई।

एआई बदलेगा टेक जगत का खेल, खुद फैसले लेकर करेगा काम, क्या उम्मीदें, क्या होंगे नुकसान

नई दिल्ली 07 जनवरी (एजेंसी)। साल 2026 को लेकर टेक्नोलॉजी जगत में बड़े ही जोर-शोर से चर्चा चल रही है। माना जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मामले में यह साल एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। जिस तरह से एआई तेजी से रोजमर्रा की जिंदगी, कामकाज और इंडस्ट्री का हिस्सा बनता जा रहा है, उससे साफ है कि आने वाला समय केवल तकनीकी बदलाव का नहीं, बल्कि सोच और काम करने के तरीके में बड़े बदलाव का होगा।अब तक लोग एआई से सवाल पूछते थे और वह जवाब देता था, लेकिन 2026 में 'एजेंटिक एआई' का दौर शुरू होने की उम्मीद है। ऐसा एआई जो खुद फैसले लेकर काम भी करेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप कहेंगे कि अगले हफ्ते की मुंबई ट्रिप प्लान करनी है तो एआई अपने आप होटल बुक करेगा, फ्लाइट के विकल्प देखेगा और आपके कैलेंडर के हिसाब से मीटिंग्स को री-शेड्यूल भी कर देगा। बिजनेस की दुनिया में भी ऐसे टास्क-स्पेसिफिक एआई एजेंट्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ेगा, जो बिना इंसानी दखल के कई फैसले ले सकेंगे।2026 तक ऑन-डिवाइस एआई का चलन बढ़ने की उम्मीद है। अभी ज्यादातर एआई मॉडल क्लाउड पर चलते हैं, लेकिन आने वाले समय में स्मार्टफोन और लैपटॉप इतने ताकतवर हो जाएंगे कि बड़े एआई मॉडल लोकल डिवाइस पर ही चल सकेंगे। इससे एक बड़ा फायदा यह होगा कि यूजर का डेटा डिवाइस से बाहर नहीं जाएगा और बिना इंटरनेट के भी एआई तेजी से काम कर सकेगा।एआई अब केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं रहेगा। 2026 में फिजिकल एआई और रोबोटिक्स का मेल देखने को मिलेगा। वेयरहाउस, फैक्ट्रियों और यहां तक कि घरों में भी स्मार्ट रोबोट्स दिखाई दे सकते हैं, जो इंसानों जैसी कुशलता से काम करेंगे। डिलीवरी ड्रोन और रोबोटिक टैक्सियों का इस्तेमाल बड़े शहरों में आम होने लगेगा। इतना ही नहीं, एआई मॉडल हिंदी, तमिल, बंगाली जैसी भारतीय भाषाओं में कहीं ज्यादा सटीक और सहज हो जाएंगे। इससे भाषा की बाधाएं लगभग खत्म हो सकती हैं और टेक्नोलॉजी आम लोगों के करीब पहुंचेगी।बड़े और भारी एआई मॉडल्स की जगह कंपनियां छोटे और तेज स्मॉल लैंग्वेज मॉडल्स पर ज्यादा ध्यान देंगी। ये मॉडल्स कम संसाधनों में काम करेंगे, तेजी से जवाब देंगे और डेटा प्राइवेसी को भी बेहतर बनाएंगे।एआई से लैस स्मार्ट ग्लासेस भी 2026 में चर्चा में रहेंगे। ये चश्मे सामने खड़े व्यक्ति की पहचान याद दिलाने, या किसी विदेशी भाषा का रियल-टाइम अनुवाद करके कान में सुनाने जैसे काम कर सकेंगे।एआई केवल ईमेल लिखने या चैट करने तक सीमित नहीं रहेगा। वैज्ञानिक शोध, नई दवाओं की खोज और बीमारियों के इलाज में एआई अहम भूमिका निभाएगा। जिन कामों में पहले सालों लगते थे, वे अब हफ्तों या महीनों में पूरे हो सकेंगे। पर्सनलाइज्ड हेल्थ के क्षेत्र में भी एआई क्रांति ला सकता है, जहां स्मार्ट वॉच या रिंग से मिले डेटा के आधार पर बीमारी के लक्षण पहले ही पकड़ लिए जाएंगे।

एआई के बढ़ते प्रभाव को लेकर 'गॉडफादर ऑफ एआई' कहे जाने वाले ज्योफ्री हिंटन ने गंभीर चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, एआई की तरक्की उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज है और 2026 तक कई सेक्टर्स में नौकरियों पर सीधा असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि एआई पहले ही कॉल सेंटर जैसी नौकरियों में इंसानों की जगह लेने लगा है और आगे चलकर यह लंबे सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट्स भी खुद संभाल सकता है।हिंटन ने इस एआई क्रांति की तुलना औद्योगिक क्रांति से की, लेकिन फर्क यह है कि इस बार खतरा शारीरिक मेहनत वाली नहीं, बल्कि दिमागी और व्हाइट-कॉलर नौकरियों पर है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर एआई को यह अहसास हुआ कि उसे बंद किया जा सकता है,

रबी फसल को लेकर गांवों में किसानों की तेज हुई तैयारी

गेहूं, चना, सरसों, मटर और मसूर की बोआई में जुटे

मूंगफली की खेती बेहतर विकल्प

करतला ब्लाक के अंतर्गत व्यापक स्तर पर रबी की फसल की जाती है, लेकिन इस क्षेत्र में हाथियों का दल विचरण करते हैं और फसल को प्रतिवर्ष नुकसान पहुंचाते है। ऐसी परस्थिति में किसान ज्यादातर मूंगफली की खेती करना बेहतर मानते हैं। जिसके कारण करतला कुदमुरा सहित आस पास के गांवों में व्यापक स्तर पर मूंगफली की खेती की जाती है। किसान फसल पकने के बाद बाजार हाट व बड़े दुकानों में थोक व चिल्हर बिक्री कर नकदी मुनाफा कमाते हैं, तो कई मूंगफली के बीज से तेल निकालकर अच्छी आमदनी कर लेते हैं।

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के ग्रामीण अंचलों में रबी फसल की तैयारी ने रफ्तार पकड़ ली है। खरीफ फसल की कटाई लगभग पूरी होते ही किसान अब गेहूं, चना, सरसों, मटर और मसूर जैसी रबी फसलों की बुआई में जुटने लगे हैं। पाली, कटघोरा, करतला और पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के गांवों नवापारा, जर्वे, केरवाडीह, बांगो, लाफा, बरपाली और जोगीपाली में खेतों की जुताई, समतलीकरण और मेढ़ों की मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। गांवों के खेतों में सुबह से ही ट्रैक्टरों की आवाज और किसानों की चहल-पहल देखी जा रही है। किसानों का कहना है कि इस बार समय पर नमी उपलब्ध होने से रबी फसल के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। कई गांवों में नहरों, तालाबों और बोर से सिंचाई की व्यवस्था की जा रही है। सहकारी समितियों और निजी दुकानों से बीज व खाद की खरीद भी बढ़ गई है। खासकर गेहूं और चना के उन्नत बीजों की मांग अधिक देखी जा रही है। कृषि विभाग द्वारा भी किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, बीज उपचार और समय पर बुआई को लेकर सलाह दी जा रही है। रबी फसल को लेकर किसानों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि मौसम ने साथ दिया तो इस बार अच्छी पैदावार होगी, जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। वहीं प्रशासन और कृषि विभाग भी गांव-गांव जाकर किसानों को तकनीकी जानकारी और सरकारी योजनाओं का लाभ देने में जुटा है। कुल मिलाकर कोरबा के गांवों में रबी फसल की तैयारी ने खेतों में नई उम्मीद और हरियाली की तस्वीर खींचनी शुरू कर दी है।

दर्द से तड़पता रहा हादसे में घायल मरीज

संजीवनी एम्बुलेंस की नहीं मिली सुविधा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में 108 संजीवनी एम्बुलेंस सुविधा की व्यवस्था लचर होने लगी है। यह कई मौकों पर उजागर भी होता रहा है, जो एक बार फिर देखने को मिला।

मंगलवार को हुए घटनाक्रम में पोड़ी उपरोड़ा सीएचसी में तड़पते रहे दुर्घटनाग्रस्त मरीज को शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक 3 घंटे बाद भी नहीं 108 एम्बुलेंस की सुविधा नहीं मिल सकी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर कटघोरा ले जाना था, किंतु वाहन नहीं मिला और मरीज अकेला बेसहारा पड़ा रहा। ऐसा नहीं था कि यह वाहन किसी इवेंट में बिजी रहा हो बल्कि सम्पर्क नम्बर ही लगातार बिजी बता रहा था और जब स्थानीय सहयोगी से पता लगवाया गया तो रात 8:13 बजे 108 एम्बुलेंस जटगा में ही खड़ी मिली। इसके बावजूद नम्बर डायल करने पर केस में बिजी बताना कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही को ही प्रदर्शित करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जांच के बाद हो कई फर्जी केस का खुलासा भी हो जाए। वैसे यह तो जांच का विषय है कि की एम्बुलेंस मौजूद रहने के बाद भी किस केस में बिजी था? और नम्बर क्यों इंगेज बताता रहा? बताते चलें कि, कोरबा जिले में महज चार ही 108 एम्बुलेंस संचालित हैं। उसका भी समय पर सेवा नहीं मिल रही है।

अलाव तापते समय महिला झुलसी, बचाने के प्रयास में युवक भी झुलसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित इंदिरा नगर बस्ती में अलाव तापते समय एक महिला के कपड़ों में आग लग गई। महिला को बचाने के प्रयास में एक युवक भी झुलस गया। दोनों को शासकीय रानी धनराज कुंवर उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार 38 वर्षीय रूबी देवी अपने घर के पास कुछ लोगों के साथ अलाव ताप रही थीं। इस दौरान वह फूलबाई नामक महिला से बातचीत करते हुए खड़ी थीं। अचानक पीछे हटते समय उनके कपड़ों में आग लग गई।आसपास मौजूद लोगों ने कंबल और पानी डालकर आग पर काबू पाया। महिला को

बचाने की कोशिश में जगदीश कुमार नामक युवक भी झुलस गया। जगदीश ने बताया कि वह कुछ दूरी पर खड़ा था और आग देखकर तुरंत कंबल लेकर आया। आग बुझाने के दौरान उनके हाथ भी जल गए। रूबी देवी के पति लक्ष्मण कुमार ने बताया कि घटना के समय वह काम से बाहर थे। सूचना मिलते ही वह तत्काल अस्पताल पहुंचे, जहां से उनकी पत्नी को निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया था। पिछले कुछ दिनों से शाम होते ही कड़ाके की ठंड बढ़ गई है, जिसके चलते लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। ऐसी स्थिति में आग तापते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वहीं, नगर निगम की ओर से शहर के चौक-चौराहों और थाना चौकियों में ठंड से राहत दिलाने के लिए हीटर लगाए गए हैं, जिन्हें शाम होते ही चालू कर दिया जाता है।

मकर संक्रांति को लेकर सजा पतंग बाजार

बच्चों को लुभा रही रंग बिरंगी पतंगें

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मकर संक्रांति के त्योहार को लेकर कोरबा में पतंगों का बाजार सज गया है। इस वर्ष बाजार में विशेष आकर्षण पुष्पा-2 'झुकेगा नहीं' थीम वाली पतंगें हैं, जो खूब लोकप्रिय हो रही हैं। बच्चों के बीच छोटा भीम, मोटू-पतलू, डोरेमोन और स्पाइडर-मैन जैसे कार्टून कैरेक्टर वाली पतंगें भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर वाले पतंग भी बच्चों को खूब भा रहे हैं।

बाजार में पतंगों की कीमतें 5 रुपए से लेकर 50 रुपए तक हैं। विशेष आकर्षण दो फीट की बड़ी पतंगें हैं, जो 50 रुपए में बिक रही हैं। मांझे की कीमतें 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक हैं। शहर और आसपास की गलियों में दुकानें सज गई हैं, जहां रंग-बिरंगी झालर वाली पतंगें सज गई है। मकर संक्रांति पर्व को लेकर शहर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। पर्व नजदीक आते ही पतंग बाजारों में रौनक लौट आई है और लोग जमकर पतंगों की खरीदारी कर रहे हैं। इस बार बाजारों में पारंपरिक रंग-बिरंगी पतंगों के साथ-साथ देशभक्ति से जुड़ी विशेष पतंगें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मकर संक्रांति पर्व नजदीक आते ही पतंग बाजारों में रौनक लौट आई है और लोग जमकर पतंगों की खरीदारी कर रहे हैं। पंतग बाजारों में 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर बनी पतंगें खास तौर पर चर्चा में हैं। इन पतंगों पर देशभक्ति से जुड़े संदेश, तिरंगे के रंग और साहस का प्रतीक दर्शाया गया है। व्यापारियों का कहना है कि हर साल मकर संक्रांति पर पतंगों की मांग रहती है, लेकिन इस बार देशभक्ति से जुड़ी पतंगों की मांग अधिक देखने को मिल रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम की पतंगों को लोग खास तौर पर इसलिए खरीद रहे हैं, ताकि इन्हें आसमान में लहराकर देश के प्रति अपने जज्बे और सम्मान को दर्शा सकें। सुबह से लेकर देर शाम तक बाजारों में खरीदारों की भीड़ बनी हुई है। लोग न सिर्फ पतंगें, बल्कि मांझा, डोर और अन्य सामग्री भी खरीद रहे हैं। बाजारों में चहल-पहल बढ़ने से स्थानीय व्यापार को भी लाभ मिल रहा है। मकर संक्रांति के दिन लोग छतों पर पतंग उड़ाकर पर्व की खुशियां मनाएंगे और 'ऑपरेशन सिंदूर' की पतंगों को आसमान में लहराकर देशभक्ति का संदेश देंगे। पर्व के इस रंगीन और उत्साहपूर्ण माहौल ने शहर को पूरी तरह संक्रांति के रंग में रंग दिया है।

सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस के साथ मनाया जाएगा आवास दिवस

प्रत्येक माह की 7 तारीख को होगा आयोजन, शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राही होंगे सम्मानित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार व सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग के मार्गदर्शन में जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 7 तारीख को चावल उत्सव व महात्मा गांधी नरेगा के रोजगार दिवस के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास दिवस का आयोजन किया जाएगा।

आवास दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराना, हितग्राहियों में जन-जागरूकता लाना तथा निर्माण में आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि आवास दिवस का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से किया जाए तथा शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जाए। आवास दिवस के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वीकृत, निर्माणाधीन व पूर्ण आवासों के हितग्राहियों की सूची का सार्वजनिक वाचन किया जाएगा तथा स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।आवास निर्माण में आ रही तकनीकी, स्थानीय या अन्य बाधाओं का प्रत्येक माह 7 तारीख तक समाधान कर हितग्राहियों को अवगत कराया जाएगा। आवास दिवस के दौरान निर्माण सामग्री, राजमिस्त्री या सेंटरिंग प्लेट की कमी से लंबित आवासों के संबंध में सामूहिक चर्चा कर समाधान किया जाएगा। आवश्यकता अनुसार सामग्री बैंक की स्थापना भी की जाएगी। पीएम जनमन योजना के हितग्राहियों के आवास निर्माण को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के लिए विशेष चर्चा व प्रेरणा दी जाएगी। आवास दिवस में जनप्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रावधानों एवं अन्य विभागों से अभिसरण (कन्वर्जेंस) की संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी। योजना के अंतर्गत समय-समय पर जारी शासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी व अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

शीघ्र निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को किया जाएगा सम्मानित–90 दिवस के भीतर अथवा अत्यंत शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जिन हितग्राहियों की किश्त के वाईसी या अन्य कारणों से लंबित है, उनका केवाईसी कराकर 7 दिवस के भीतर लंबित किश्तों का हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाएगा। आवास दिवस में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि के भुगतान की स्थिति पर चर्चा की जाएगी।

कुदमुरा व करतला परिक्षेत्र में तीन दंतैल की मौजूदगी से दहशत

निगरानी में जुटा वन अमला, लोगों को किया जा रहा सचेत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के कोरबा वनमंडल अंतर्गत कुदमुरा व करतला परिक्षेत्र में तीन दंतैल हाथी विचरण कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है। एक दंतैल हाथी कुदमुरा रेंज के कलमीटिकरा क्षेत्र में पड़ोसी धरमजयगढ़ वनमंडल से पहुंचा है। हाथी यहां आने के बाद से जंगल में विचरण कर रहा है। तत्कालिक तौर पर हाथी द्वारा कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया गया है, लेकिन हाथी के अकेले होने के कारण उत्पात मचाए जाने की संभावना को देखते हुए वन विभाग सतर्क और उसकी निगरानी करने के साथ आसपास के गांवों में मुनादी कराने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। उधर करतला रेंज में भी दो हाथियों की मौजूदगी बनी है। दोनों हाथियों को रेंज के नोनबिर्रा सर्किल के चिकनीपाली बीट के तिलईडबरा में बीती रात एक साथ घूमते हुए देखा गया। इससे पहले दोनों दंतैल अलग-अलग स्थानों पर घूम रहे थे, जिसमें से एक दंतैल हाथी काफी आक्रामक है। इसके द्वारा जिले में तीन लोगों को एक के बाद एक मौत के घाट उतार दिया गया था। जिसके कारण दंतैल हाथी जिस क्षेत्र में पहुंचता है, वहां के लोग दहशत में रहते हैं। इस हाथी ने चिकनीपाली क्षेत्र में स्थित पहाड़ को विगत एक सप्ताह से अपना बसेरा बनाया है। दंतैल हाथी अधिकांश समय पहाड़ पर ही विचरण करते रहता है, लेकिन बीच-बीच में पानी की तलाश में पहाड़ से नीचे उतरकर तिलईडबरा गांव के पास पहुंच जाता है। बीती रात यह दंतैल एक अन्य दंतैल के साथ इसी क्षेत्र में दिखाई दिया। इसके बाद वन विभाग सतर्कता बरतते हुए दंतैल हाथियों की निगरानी में जुट गया है। वहीं कटघोरा वनमंडल के जटगा व केंदई रेंज में 51 हाथी सक्रिय है। जिनकी निगरानी वन विभाग द्वारा लगातार की जा रही है। इस कार्य में ड्रोन कैमरे के अलावा मैदानी अमले की मदद ली जा रही है, जो हाथियों की हर गतिविधियों की जानकारी अधिकारियों को लगातार दे रहे हैं। हाथियों के बस्ती के निकट पहुंचने की सूचना मिलते ही वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचता है और हाथियों को खदेड़ने के साथ वापस जंगल में जाने को विवश कर देता है।

75 ग्रेजुएट अप्रेंटिसशिप के लिए 228 अभ्यर्थियों ने किए आवेदन

पॉवर कंपनी में चल रहा है दस्तावेजों का परीक्षण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में एक वर्षीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 75 अप्रेंटिस की भर्ती की जा रही है। इसके लिए 228 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। डगनिया स्थित मुख्यालय में मानव संसाधन विभाग ने दस्तावेजों का सत्यापन कार्य शुरू किया है। बुधवारको विज्ञान संकाय वाले अभ्यर्थियों को दस्तावेज परीक्षण के लिये आमंत्रित किया गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में इस एक वर्षीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए

आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसमें सामान्य स्ट्रीम के ग्रेजुएट के लिए 25 एवं टेक्नीशियन अप्रेंटिस 50 अभ्यर्थियों को चुना जाएगा। उन्हें पॉवर कंपनी में एक वर्ष तक कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इससे वे प्रशिक्षित हो पाएंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत प्रशिक्षु प्रशिक्षण मंडल (पश्चिमी क्षेत्र) मुंबई व्दारा दक्षता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें कंपनी के कार्यस्थल पर उपलब्ध चिकित्सालय में चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाएगी। इसमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, सिविल, साइंस के साथ ही डिप्लोमा विषय वालों को आमंत्रित किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अवधि में ग्रेजुएट अप्रेंटिंस को 12300 रुपए मासिक एवं टेक्नीशियन अप्रेंटिस को 10900 रुपए छात्रवृत्ति (वजीफा) दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623